हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 267 बेमेतरा, रविवार 24 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

क्विक न्यूज

अमेरिका की हिन्द प्रशांत नीति में भारत का विशेष स्थान : रूबियो

नयी दिल्ली। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की मंगलवार को होने वाली बैठक से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका की हिन्द प्रशांत क्षेत्र नीति में भारत का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और अमेरिका की मजबूती से विश्व को फायदा होगा। अपनी पहली भारत यात्रा पर आये रूबियो ने विदेश मंत्री डा एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता से पहले अमेरिकी दूतावास में नये कार्यालय का उद्घाटन किया। होने वाली क्वाड की बहुप्रतीक्षित बैठक से पहले बियो के हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका के बारे में दिये गये बयान को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विदेश मंत्री बनने के बाद क्वाड की पहली बैठक का भारत में होना मात्र संयोग नहीं है।

तेल कीमतों में बढ़ोतरी जनविरोधी कदम : तेजस्वी

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र की राष्ट्रीय

जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए इसे जनविरोधी और पूंजीपरस्त सरकार करार दिया है। यादव ने बयान जारी कर कहा कि केंद्र सरकार ने एक बार फिर पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ा दिए हैं।उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में तेल की कीमतों में लगभग पांच रुपये की वृद्धि हुई है, जिससे आम लोगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ा है। यादव ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें वर्ष 2014 की तुलना में कम होने के बावजूद पेट्रोल और डीजल के दाम दोगुने हो गए हैं।

सीबीआई अदालत ने बैंक धोखाधड़ी मामले में तीन आरोपियों को सुनायी पांच साल की सजा

चेन्नई। तमिलनाडु में चेन्नई के एग्मोर स्थित अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 1.24 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में तीन लोगों को दोषी करार देते हुये पांच साल के कठोर कारावास की सज़ा सुनायी है। अदालत ने उन पर कुल 12.9 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) चेन्नई द्वारा 14 नवंबर, 2008 को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की प्रशासनिक इकाई, चेन्नई से मिली एक शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था।

पीएम मोदी से मिले रूबियो, रणनीतिक साझेदारी क्षेत्रीय और वैश्विक शांति से जुड़े मुद्दों पर हुई बात

नयी दिल्ली। भारत यात्रा पर आये अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने भारत -अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तथा क्षेत्रीय और वैश्विक शांति से जुड़े मुद्दों पर बात की। रूबियो ने मोदी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अमेरिका आने का निमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद थे। मोदी ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर वैश्विक भलाई के लिए काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा , अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का स्वागत करके मुझे खुशी हुई।

हमने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में लगातार हो रही प्रगति और क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति तथा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

भारत और अमेरिका वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि रूबियो ने प्रधानमंत्री को रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकी, व्यापार और निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में लगातार हो रही प्रगति के बारे में जानकारी दी। विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति सहित विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अमेरिका का दृष्टिकोण साझा किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों के लिए भारत के लगातार समर्थन की बात दोहराई और बातचीत तथा कूटनीति के ज़रिए संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान की अपील को फिर से दोहराया। गोर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा ,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के लिए विदेश मंत्री के साथ शामिल होकर बहुत अच्छा लगा। हमने सुरक्षा, व्यापार और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अमेरिका-भारत सहयोग को और मजबूत बनाने के तरीकों पर सार्थक चर्चा की। ये ऐसे क्षेत्र हैं जो हमारे दोनों राष्ट्रों को मजबूत करते हैं और एक स्वतंत्र व खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आगे बढ़ाते हैं। भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है। गोर ने कहा कि रूबियो ने मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से अमेरिका आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा , सेक्रे टरी मार्को रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को निकट भविष्य में व्हाइट हाउस आने का निमंत्रण दिया है। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत यात्रा पर आये रूबियो कोलकाता पहुंचे थे। इसके बाद वह दोपहर ही यहां पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने 19वें रोजगार मेले में 51,000 नियुक्ति पत्र किये वितरित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेले के 19वें संस्करण के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और कहा कि भारत की युवा आबादी देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नव नियुक्त युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार मेला युवाओं को नए रोजगार अवसर उपलब्ध कराने तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मोदी ने कहा, देश के युवा विकसित भारत में प्रगति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रोजगार मेला युवा शक्ति को नए अवसर प्रदान करने एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूत करने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश में बढ़ते वैश्विक विश्वास पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवा प्रतिभा और तीव्र तकनीकी प्रगति के कारण दुनिया भारत के साथ साझेदारी करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन एवं सतत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे युवा भारतीयों के लिए नए आर्थिक अवसर एवं रोजगार उत्पन्न हो रहे हैं। मोदी ने सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बारे में बात करते कहा कि हर भारतीय 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश से युवाओं के लिए लाखों रोजगार का सृजित हो रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को कराया अन्नप्राशन, गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम में दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर बच्चों एवं महिलाओं से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में नन्हे बच्चों को अपने हाथों से अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर शेवांशी चक्रधारी, राध्या यादव, हिमांशी निषाद, कान्हा सेन एवं अहान बंजारे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेह एवं आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने स्वस्थ बच्चों से भी मुलाकात की। इनमें रुपेश पटेल, चंचल पटेल, प्रींसू चक्रधारी, हार्दिक बंजारे एवं लोककाव्या खांडे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी लेते हुए अभिभावकों को बच्चों के बेहतर पोषण एवं देखभाल के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आयोजित गोदभराई कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गर्भवती महिलाओं को उपहार भेंट कर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में संतोषी निषाद, पूर्णिमा परेल, ममता पटेल, जयंती बंजारे एवं रूखमणी पाल शामिल रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है।

ताकि बच्चों और माताओं को बेहतर

केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाकर देशवासियों को दे रही धीमा जहर : केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पिछले 10-15 दिनों में तीसरी बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने को लेकर केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाकर देशवासियों को धीमा जहर दे रही है।

केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर कहा, फिर से सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दी हैं पिछले 10-15 दिनों में तीसरी बार कीमतें बढ़ाई हैं। पिछले 10-15 दिन में पेट्रोल और डीजल के दाम लगभग 4 से 5 रुपए प्रति लीटर बढ़ गए हैं। गैस सिलेंडर के दाम भी बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। लोगों को घर चलाना मुश्किल हो रहा है। लोग इतने ज्यादा डरे और सदमे में हैं कि लोगों को यह नहीं पता कि सरकार आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें और कितना बढ़ाने वाली है। चारों तरफ अफवाहें चल रही हैं कि अभी तो बहुत बढ़ेगा, पेट्रोल 150 रुपए तक जाएगा, पता नहीं कितना जाएगा? सरकार से पूछो तो सरकार कुछ नहीं बता रही है। उन्होंने कहा कि देश में न सिर्फ दाम बढ़ रहे हैं।

बल्कि देश भर में पेट्रोल, गैस और डीजल की किल्लत हो गई है। गुजरात से तस्वीरें आ रही हैं कि किस तरह से पेट्रोल पंप पर ट्रैक्टरों की लंबी-लंबी लाइन लगी हुई है, डीजल नहीं मिल रहा है।

स्पेसएक्स ने स्टारशिप अंतरिक्ष यान के उन्नत संस्करण की पहली परीक्षण उड़ान लॉच की

वॉशिंगटन। अमेरीकी उद्योगपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने अपने स्टारशिप अंतरिक्ष यान के उन्नत संस्करण की पहली परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक लॉच की है। इस कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के अनुसार यह परीक्षण उड़ान टेक्सास के बोका चिका में स्टारबेस लॉन्च स्थल से की गयी।

स्पेस एक्स ने इससे पहले इस परीक्षण उड़ान को रद्द कर दिया था। मस्क ने बाद में एक्स पर कहा कि परीक्षण रद्द होने की वजह यान में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी। उन्होंने बताया कि लॉन्च टावर की आर्म को सुरक्षित रखने वाली एक हाइड्रोलिक पिन नहीं निकाली गई थी। उन्होंने आगे कहा कि इस समस्या का समाधान जल्द ही हो जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी के आरोप में अजय राय के खिलाफ मुकदमा

महोबा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध अमर्यादित एवं आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय तथा उनके सहयोगियों के खिलाफ महोबा पुलिस ने विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि सदर कोतवाली में भाजपा कार्यकर्ता नीरज रावत की तहरीर पर कांग्रेस नेता अजय राय के खिलाफ मामला पंजीकृत किया गया है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राय प्रशासन को पूर्व सूचना दिए बिना महोबा पहुंचे और मुख्यालय स्थित सिंह वाहिनी नगर (समद नगर) में अपहरण एवं गैंगरेप की शिकार नीट छात्रा तथा उसके परिजनों से मुलाकात की। तहरीर के अनुसार अजय राय के काफिले के कारण नगर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। साथ ही कार्यकर्ताओं के साथ संवाद के दौरान उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में कथित तौर पर अशोभनीय एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भावनाएं आहत हुई। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सचिव ब्रजराज सिंह अहिरवार तथा 25 से 30 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 126(2), 352, 196(1), 189(2) और 132 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

सुरक्षाबलों ने बरामद किया 5 किलो का प्रेशर कुकर आईईडी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने एक प्रेशर कुकर आईईडी बरामद कर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना बारसूर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हिड़पाल के पहाड़ी और घने जंगल इलाके में नक्सली गतिविधियों की सूचना पर संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया। अभियान में 195वीं वाहिनी सीआरपीएफ की यंग प्लाटून पार्टी, बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) तथा जिला पुलिस के जवान शामिल थे। यह अभियान द्वितीय कमान अधिकारी विक्रांत वर्मा के मार्गदर्शन तथा सहायक कमांडेंट संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में सुबह करीब पांच बजे शुरू किया गया। सर्चिंग के दौरान सुबह लगभग 8 बजकर 20 मिनट पर सुरक्षाबलों को जंगल क्षेत्र में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इलाके को तत्काल घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया और बीडीडीएस टीम को मौके पर बुलाया गया। जांच में संदिग्ध वस्तु लगभग पांच किलोग्राम वजनी प्रेशर कुकर आईईडी निकला। पुलिस के अनुसार नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने और क्षेत्र में भय का माहौल बनाने के उद्देश्य से विस्फोटक को जंगल में छिपाकर रखा था। बीडीडीएस टीम ने विशेषज्ञ तकनीकी प्रक्रिया के जरिए मौके पर ही आईईडी को निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया। अभियान के दौरान आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त सर्चिंग भी की गई। अभियान समाप्त होने के बाद सभी अधिकारी और जवान सुरक्षित रूप से अपने बेस कैंप लौट आए। जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विस्फोटक सामग्री या नक्सली गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा सुरक्षाबलों को दें।

आम आदमी पार्टी से भाजपा में आये चड्डा राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राघव चड्ढा को उच्च सदन की याचिका समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चड्ढा सहित आम आदमी पार्टी के सात राज्य सभा सदस्य पिछले महीने ही भाजपा में शामिल हुए थे।

राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने हाल ही में राज्यसभा की याचिका समिति का पुनर्गठन किया था। उन्होंने इस समिति के लिए सदन के दस सदस्यों को मनोनीत किया है और चड्ढा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मनोनीत किये गये अन्य सदस्यों में भाजपा के हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल और मयंक कुमार नायक, तेलुगु देशम पार्टी के मस्तान राव यादव बीड़ा, कांग्रेस की जेबी माथेर हीशम, बीजू जनता दल के शुभाशीष खुंटिया, यूपीपीएल के रवंगवरा नारजारी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी शामिल हैं।

राज्यसभा की याचिका समिति आम जनता द्वारा उठाए गए व्यापक जनहित के मामलों और लंबित विधेयकों से जुड़ी याचिकाओं की जांच करती है।

ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही शांति वार्ता को और समय देने का फैसला किया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रही शांति वार्ता को और समय देने का फ़ैसला किया है।

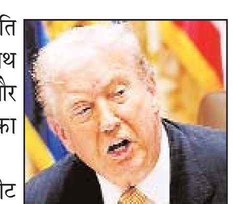

यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है। उन्होंने बताया कि ट्रंप ने कूटनीति को एक मौका देने के लिए, फिलहाल ईरान के खिलाफ हमले फिर से शुरू न करने का फ़ैसला किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रंप ने शुक्रवार सुबह अमेरिका के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक की, जिसमें ईरान को लेकर आगे के कदमों पर चर्चा हुई, लेकिन इस दौरान कोई औपचारिक फ़ैसला नहीं लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगियों से कहा कि वह कूटनीतिक प्रक्रिया को काम करने के लिए और अधिक समय देना चाहते हैं।

जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने के आदेश

उत्तरी चीन की कोयला खदान में गैस विस्फोट, 90 लोगों की मौत

बीजिंग। उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से कम से कम 90 लोगों की मौत हो गयी है। इस हादसे में दर्जनों लोग जख्मी हुए हैं और कुछ लोग अब भी लापता हैं। यह हादसा शांक्सी प्रांत में चांग्झी शहर के पास स्थित लियुशेन्यू कोयला खदान में उस वक्त हुआ, जब लगभग 247 खनिक जमीन के नीचे काम कर रहे थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, माना जा रहा है कि खदान के भीतर कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सुरक्षा मानकों से काफी ऊपर चला गया था, जिसके चलते यह जोरदार धमाका हुआ। बचाव अधिकारियों ने बताया कि दोपहर तक नौ मजदूर अब भी मलबे में फंसे हुए थे और उन्हें निकालने के लिए बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकारी प्रसारक 'चाइना सेंट्रल टेलीविजन' ने बताया कि घायल हुए कई लोग जहरीली गैस की चपेट में आ गये हैं। शुरुआती खबरों में मरने वालों की तादाद कम बतायी गयी थी, लेकिन जैसे-जैसे शवों को बाहर निकालने का काम आगे बढ़ा, मृतक संख्या में इजाफा होता गया। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को घायलों के इलाज और बचाव कार्य में 'कोई कोर-कसर न छोड़ने' का हुक्म दिया है।

इसके साथ ही उन्होंने हादसे की पूरी जांच करने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की सख्त जवाबदेही तय करने की बात कही है। अधिकारियों ने खदान का संचालन करने वाली कंपनी 'शांक्सी टोंगझोउ कोल एंड कोक ग्रुप' से जुड़े आला अधिकारियों को हिरासत में ले लिया है। खबरों के मुताबिक, चीन के राष्ट्रीय खदान सुरक्षा नियामक ने साल 2024 में ही गैस का स्तर बढ़े होने के कारण लियुशेन्यू खदान को बेहद संवेदनशील और खतरनाक घोषित किया था।

लेह के पास सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त तीन अधिकारियों को आईं मामूली चोटें

नयी दिल्ली। लेह के पास पूर्वी लद्दाख के ऊंचे इलाके वाले तांगत्से सेक्टर में एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन एक वरिष्ठ कमांडर समेत भारतीय सेना के तीन सुरक्षित बच गये। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। यह घटना 20 मई को लद्दाख के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके में एक ऑपरेशनल उड़ान के दौरान हुई थी। इस दुर्घटना की जानकारी ही सामने आई। गौरतलब है कि लद्दाख दुनिया के सबसे मुश्किल उड़ान वाले इलाकों में से एक है। अधिकारियों के मुताबिक, हेलीकॉप्टर में सेना की तीसरी इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल सचिन मेहता सवार थे, जबकि एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर विमान उड़ा रहे थे। तीनों लोग इस दुर्घटना में सुरक्षित बच गये। सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' का आदेश दिया है। शुरुआती जांच चल रही है, हालांकि घटना के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उल्लेखनीय है कि चीता हेलीकॉप्टर, जो एक हल्का यूटिलिटी विमान है और लंबे समय से भारत के ऊंचे इलाकों में होने वाले हवाई अभियानों की रीढ़ माना जाता रहा है।

तेल-गैस आयात पर निर्भरता बढ़ने से खोखले साबित हो रहे सरकार के आत्मनिर्भरता के दावे : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सरकार के आत्मनिर्भरता के दावों को खोखला बताते हुए कहा है कि सरकार जो कहती है वह हकीकत नहीं होता और यही वजह है कि आत्मनिर्भरता के उसके दावों के बावजूद देश की निर्भरता आयातित कच्चे तेल, रसोई गैस (एलपीजी) और प्राकृतिक गैस पर लगातार बढ़ रही है। कांग्रेस के शोध विभाग के प्रमुख प्रोफेसर राजीव गौड़ा तथा पार्टी नेता डॉली शर्मा ने पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार लगातार आत्मनिर्भर भारत का दावा करती रही, लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत कच्चे तेल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस के आयात पर पहले से अधिक निर्भर हो गया है तथा ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में सरकार विफल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की बात करती रही, लेकिन घरेलू कच्चे तेल का उत्पादन घटा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2005 में गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (जीएसपीसी) द्वारा कृष्णा-गोदावरी बेसिन में बड़े गैस भंडार मिलने का दावा किया था, लेकिन बाद में यह दावा खोखला साबित हुआ।

हीरापुर समाधान शिविर में उमड़ी भीड़, 40 किसानों को मिला जमीन का मालिकाना हक

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशिष पदमवार। उसूर ब्लॉक के सुदूर ग्राम हीरापुर में शनिवार को आयोजित समाधान शिविर में हजारों ग्रामीण शामिल हुए। सुशासन तिहार के तहत लगाए गए शिविर में आसपास की 10 पंचायतों के ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं। शिविर ग्रामीणों के लिए योजनाओं की जानकारी और त्वरित समाधान का केंद्र बना रहा। शिविर में 24 से अधिक विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों को दस्तावेज बनवाने और योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया समझाई। ÷बस्तर मुन्ने÷ अभियान के तहत आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता, आयुष्मान कार्ड और जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोगों को जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरण किया। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग ने ÷बाल विवाह मुक्त बीजापुर÷ अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। इस दौरान 40 किसानों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित किए गए। वर्षों से कब्जे वाली जमीन का अधिकार मिलने पर किसानों के चेहरे खिल उठे। इसके अलावा समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, कृषि विभाग ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड, शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को जाति व जन्म प्रमाण पत्र और पंचायत विभाग ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चाबी सौंपी। मत्स्य विभाग की ओर से जाल और आईस बॉक्स भी वितरित किए गए। शिविर में जनपद अध्यक्ष पूर्णिमा तेलम, उपाध्यक्ष तिरुपति पुनेम, एसडीएम भूपेन्द्र गावरे, जनपद पंचायत सीईओ प्रभाकर चंद्राकर सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

10 पंचायतों के ग्रामीण पहुंचे शिविर में

हीरापुर, फुत्तकेल, बासागुड़ा, गगनपल्ली, मल्लेपल्ली, लिंगागिरी, कोरसागुड़ा, चिपुरभट्टी, चिन्नागेल्लूर और पुसबाका पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण समाधान शिविर पहुंचे। ग्रामीणों ने राशन कार्ड, आवास, पेंशन, स्वास्थ्य और जमीन संबंधी समस्याओं के आवेदन दिए।

भीषण गर्मी : बिजली की आंख मिचौली से उपभोक्ता त्रस्त अधिकारी मस्त

रायगढ़/मूक पत्रिका

भीषण गर्मी लगातार बढ़ते जा रही है। तापमान 40 डिग्री के पार चला जा रहा है। वहीं दूसरी ओर बिजली की आंख मिचौली से उपभोगता परेशान हो रहे है। सुबह, रात, दोपहर किसी भी समय बगैर सूचना घंटों बिजली आपूर्ति बाधित हो जा रही है। इससे उपभोक्ताओं को शिडयूल बिगड़ जा रहा है। तपिश भरी गर्मी के बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से उपभोक्ताओं में आक्रोश गहराने लगा है। ख़ास कर यह समस्या जोन 2 का वार्ड न. 48 का है जहाँ बिजली गुल की समस्या गाँव से भी रद्दी स्थित है जब बिजली गुल होने के बाद बिजली विभाग के हेल्प लाइन मे बिजली गुल की शिकायत के लिये फोन किया जाता है तो बिजली विभाग के कर्मचारियों के द्वारा फोन नहीं उठाया जाता है यह है विद्युत विभाग की असली सच्चाई? इन दिनों बिजली की अनियमित आपूर्ति ने लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित कर दिया है. भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच बिजली की आंख-मिचौली से आम लोग परेशान हैं. स्थिति यह है कि गर्मी में जहां तापमान अपने चरम पर है, वहीं लगातार बिजली गुल रहने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं.लोगो का कहना है कि बिना बिजली के घरों में रहना बेहद कठिन हो गया है. बुजुर्ग और बच्चों की हालत सबसे ज्यादा खराब है. बच्चे गर्मी में परेशान रह रहे हैं, जबकि बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है. पंखा, कूलर और मोटर जैसे जरूरी उपकरणों के बंद रहने से दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है. गृहिणियों को भी घरेलू कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बिजली कटौती से उपभोक्ताओं का जनजीवन प्रभावित हो गया है। दिन में किसी प्रकार लोग अपना काम चला लेते हैं, लेकिन रात में बिजली ठप रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। भीषण गर्मी में पंखा और कूलर बंद रहने से लोगों की नींद उड़ गई है। वहीं मच्छरों के प्रकोप से लोग रात भर जागने को मजबूर हैं। आरोप लगाया कि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। रात में पर्याप्त बिजली न मिलने से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं। लोगों ने विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कराया जाए तथा अनावश्यक कटौती और ट्रिपिंग पर रोक लगाई जाए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

देशी शराब की बोतल में निकले मरे हुए कीड़े-मकोड़े, लेन्ध्रा शराब दुकान पर उठे सवाल..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के बरमकेला विकासखंड स्थित लेन्ध्रा सरकारी देशी शराब दुकान से खरीदी गई शराब की सीलबंद बोतल में मरे हुए कीड़े-मकोड़े मिलने के दावे ने हड़कंप मचा दिया है। इस घटना के बाद आबकारी विभाग की गुणवत्ता जांच और बॉटलिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। बताया जा रहा है कि सरकारी काउंटर से खरीदी गई 200 एमएल देशी प्लेन शराब की बोतल के अंदर मकड़ी जैसी आकृति दिखाई देने पर उपभोक्ता के होश उड़ गए।

टॉर्च की रोशनी में खुला मामला, वीडियो हुआ वायरल

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बनहर निवासी किसान अनिल कुमार साहू ने गुरुवार शाम लेन्ध्रा स्थित सरकारी देशी शराब दुकान से 200 एमएल प्लेन शराब की बोतल खरीदी थी। भुगतान करने के बाद जब वह बोतल लेकर बाहर निकला, तो उसे सीलबंद शीशी के भीतर काले रंग की कोई चीज दिखाई दी। संदेह होने पर उसने मोबाइल की टॉर्च जलाकर देखा, जहां बोतल के अंदर मरी हुई मकड़ी तैरती नजर आई। खास बात यह रही कि बोतल पूरी तरह सीलबंद थी और उस पर आबकारी विभाग की आधिकारिक सील लगी हुई थी। उपभोक्ता ने इस पूरे मामले का वीडियो और फोटो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

क्वालिटी कंट्रोल और सप्लाई सिस्टम कटघरे में

घटना सामने आने के बाद शराब की गुणवत्ता और सप्लाई सिस्टम पर सवाल तेज हो गए हैं। लोगों का कहना है कि जब सरकारी दुकानों में बिकने वाली सीलबंद बोतलों में इस तरह की गंदगी या जहरीले जीव मिल रहे हैं, तो बॉटलिंग प्लांट और क्वालिटी चेक की प्रक्रिया आखिर कैसे काम कर रही है। प्रदेश में पहले भी मिलावटी और खराब शराब से जुड़े मामले सामने आते रहे हैं, ऐसे में सरकारी दुकानों की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति बिना देखे या अंधेरे में शराब का सेवन कर लेता, तो गंभीर स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता था।

शिकायत पर धमकाने का आरोप, विभाग की चुप्पी पर नाराजगी

पीड़ित उपभोक्ता अनिल कुमार साहू ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने शराब दुकान के सेल्समैन से इस संबंध में शिकायत की, तो समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें उल्टा धमकाया गया। वहीं ग्राम सकरतुंगा निवासी भोजराम पटेल ने भी दावा किया कि उन्हें इसी दुकान से घटिया और कचरा युक्त शराब की बोतल मिली थी। ग्रामीणों का आरोप है कि दूरदराज के सरकारी शराब दुकानों में निम्न स्तर की शराब सप्लाई कर उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है। मामले में जिला आबकारी अधिकारी एस.आर. वर्मा से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन रिसीव नहीं होने से विभाग का पक्ष सामने नहीं आ सका।

सोशल मीडिया में किरकिरी, जांच की उठी मांग

सीलबंद शराब की बोतल में मकड़ी मिलने का वीडियो और तस्वीर वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर आबकारी विभाग की जमकर आलोचना हो रही है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब सरकार नियंत्रित दुकानों में बिकने वाली शराब की गुणवत्ता ही संदेह के घेरे में है, तो आम उपभोक्ता भरोसा किस पर करे। ग्रामीणों और उपभोक्ताओं ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी डिस्टिलरी, सप्लाई एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं होने से लोगों की नाराजगी और बढ़ गई है।

महापुरुषों की जयंती-पुण्यतिथि में एकरूपता लाने साहित्यकारों की अहम बैठक 25 मई को

समाज में व्याप्त भ्रम की स्थिति दूर करने रायपुर में होगा विचार-विमर्श

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के साहित्य प्रकोष्ठ द्वारा समाज के महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि के संबंध में व्याप्त भ्रम की स्थिति को दूर करने तथा एकरूपता स्थापित करने के उद्देश्य से दिनांक 25 मई 2026, दिन सोमवार को सुबह 11 बजे से गुरु घासीदास सांस्कृतिक भवन, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक में समाज के समस्त पदाधिकारी, साहित्यकार एवं बुद्धिजीवी शामिल होकर विभिन्न लेखकों एवं साहित्यकारों द्वारा उल्लिखित अलग-अलग तिथियों पर विचार-विमर्श करेंगे। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री एल एल कोशले ने बताया कि समाज में एक समान एवं सर्वमान्य तिथि निर्धारण को लेकर व्यापक चर्चा की जाएगी, ताकि भविष्य में समाज के अनुयायियों द्वारा महापुरुषों की जयंती एवं पुण्यतिथि एक ही तिथि पर आयोजित की जा सके और समाज में एकता एवं समरसता बनी रहे। वरिष्ठ सदस्य श्री एस आर बाँधे ने बताया कि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा सभी संबंधित साहित्यकारों एवं पदाधिकारियों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने की अपील की गई है।

जैव विविधता संरक्षण का संदेश देने जुटे विद्यार्थी, वन विभाग ने किया जागरूकता कार्यक्रम

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। विश्व जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर बीजापुर वन मंडल ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व और नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से तेंदूपत्ता हॉल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, वन अधिकारियों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने जैव विविधता संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम डीएफओ रमेश जांगड़े और एसडीओ देवेंद्र गोंड के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त कृषि विकास अधिकारी एवं पारंपरिक वैद्य विशेषज्ञ बी. राव गोडबोले रहे। वहीं इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उप संचालक संदीप बलागा,एसडीओ अजय कावरे, मनोज बघेल और नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष एम. सूरज विशेष रूप से मौजूद रहे। स्वामी आत्मानंद विद्यालय बीजापुर के समर कैंप में शामिल विद्यार्थियों ने चित्रकला, कविता और नृत्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता बचाने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि बी. राव गोडबोले ने स्थानीय औषधीय पौधों और उनके पारंपरिक उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने दुर्लभ पौधों के बीज भी वितरित किए। वहीं एम. सूरज ने ऊदबिलाव, जंगली भैंसा और सर्प जैसे संकटग्रस्त वन्यजीवों पर वीडियो प्रस्तुति देकर लोगों को वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया। संदीप बलागा ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जैव विविधता का संरक्षण बेहद जरूरी है। अजय कावरे और मनोज बघेल ने भी प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विशेषज्ञ, विद्यार्थी और आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी की ओर से भूपेंद्र जगत, ऋषभ और मनीषा ने भी सहभागिता निभाई।

विद्यार्थियों ने चित्र और कविता से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

समर कैंप में शामिल विद्यार्थियों ने चित्रकला, कविता और नृत्य के जरिए जैव विविधता संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं और लोगों ने उनकी सराहना की।

महिला से अनाचार का आरोपी गिरफ्तार, आरोपी जेल दाखिल, चांपा निवासी आरोपी ने उधारी की आड़ में किया अनाचार, महिला थाना की त्वरित कार्रवाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

उधारी का पैसा वापस लेने के बहाने महिला को अकेले बुलाकर उसके साथ जबरन अनाचार करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को महिला थाना जांजगीर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी गोवर्धन लाल शर्मा (45 वर्ष), निवासी चांपा, थाना चांपा, जिला जांजगीर-चांपा के विरुद्ध पीड़िता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(2), 351(3) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

उधारी के बहाने बुलाकर किया दुष्कर्म

पीड़िता ने महिला थाना जांजगीर में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने आवश्यकता पड़ने पर आरोपी से उधार लिया था। आरोपी ने पैसे वापस लेने के नाम पर उसे बुलाया और मौके का फायदा उठाते हुए जबरन अनाचार किया। घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

एसपी के निर्देशन में त्वरित कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में महिला थाना जांजगीर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान जुर्म स्वीकार किए जाने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में ष्ठस्क्र अजाक श्रीमती सतरूपा तारम, महिला थाना प्रभारी सीलमनी टोप्पो, महिला प्र.आर एनुका तिर्की, आरक्षक गणेश्वर दिवाकर, डाकेश्वर राय, मआर शीला भारद्वाज सहित महिला थाना जांजगीर स्टाफका सराहनीय योगदान रहा।

एक माह बाद अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, 3 आरोपी गिरफ्तार

करही गोलीकांड का खुलासा : ऑपरेशन हंट में पुलिस को बड़ी सफलता

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

थाना बिर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करही में हुए बहुचर्चित गोलीकांड मामले में जांजगीर-चांपा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान ÷ऑपरेशन हंट÷ के तहत एक माह पुराने इस सनसनीखेज अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए पुलिस ने 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उधारी के पैसों को लेकर चल रहे विवाद, मृतक आयुष कश्यप की बढ़ती आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रभाव और व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा से उपजी जलन व द्वेष की भावना के चलते आरोपियों ने हत्या की साजिश रची थी। दिनांक 23-24 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात ग्राम करही में तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जबकि उसके छोटे भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही तत्कालीन प्रभारी पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डॉग स्क्वॉड एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज द्वारा स्वयं घटनास्थल का दौरा कर अधिकारियों की बैठक ली गई तथा त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ग्राम करही में विशेष पुलिस कैम्प स्थापित कर रेंज स्तरीय टीम का गठन किया गया। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस टीमों ने गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली एवं जम्मू-कश्मीर सहित 07 राज्यों में दबिश दी।200 से अधिक ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगाले गए। तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए।संदिग्धों से लगातार पूछताछ की गई। साइबर एवं आसूचना टीम सक्रिय रही। ऑपरेशन हंट' बना टर्निंग पॉइंट।प्रशिक्षण से लौटने के बाद पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय सीधे ग्राम करही पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरे मामले की समीक्षा की। इसके बाद विशेष अभियान ÷ऑपरेशन हंट÷ शुरू किया गया, जो इस हत्याकांड के खुलासे में निर्णायक साबित हुआ। हत्या की वजह और वारदात का तरीका। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उधारी के पैसों को लेकर विवाद, मृतक की बढ़ती आर्थिक स्थिति और व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा के कारण उन्होंने हत्या की साजिश रची।घटना की रात आरोपी पहले से घर के आसपास मौजूद थे। ष्टष्टञ्जङ्क कैमरा क्षतिग्रस्त करने के बाद घर में घुसकर पहले मृतक के पिता के कमरे को बाहर से बंद किया गया, फिर आयुष कश्यप पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। बीच-बचाव करने आए उसके छोटे भाई को भी गोली मारी गई।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल एवं मैगजीन, एक अतिरिक्त खाली मैगजीन,घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है।गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत कुमार बघेल (23 वर्ष), निवासी वार्ड 11, करही, भूषण बघेल (23 वर्ष), निवासी वार्ड 01, करही,अमित टंडन (28 वर्ष), निवासी वार्ड 09, करही तीनों आरोपी थाना बिर्रा क्षेत्र के निवासी हैं।इस हत्याकांड के खुलासे में पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज के मार्गदर्शन, पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले के राजपत्रित अधिकारी, साइबर थाना, थाना बिर्रा सहित जिला पुलिस बल की भूमिका सराहनीय रही।

पंचायतों में लोकतंत्र का गला घोंट रहे सरपंच पति, प्रशासन आखिर कब जागेगा?

महिला आरक्षण को बना दिया मजाक, नियम-कानून को ठेंगा दिखाकर चल रहा सरपंच पतियों राज

जगदलपुर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग -जगदलपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत अलनार में सीसी सड़क निर्माण कार्य को लेकर अब ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा है। गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है नव निर्वाचित महिला सरपंच सिर्फ नाम की है, जबकि पूरे पंचायत का संचालन और निर्माण कार्यों में दखल खुलेआम सरपंच पति ÷एसपी÷ के द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में कानून, नियम और शासन के निर्देशों को खुलेआम कुचला जा रहा है। निर्माण कार्य मनमानी तरीके से कराया जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि संबंधित विभागीय अधिकारी और सचिव तक इस पूरे मामले की जानकारी नहीं होने की बात कह रहे हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि पंचायतों में जवाबदेही पूरी तरह खत्म होती जा रही है।

क्या पंचायतों में अब संविधान नहीं, ÷सरपंच पति÷ का फरमान चलेगा?

ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि महिला आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को नेतृत्व और अधिकार देना था, लेकिन कई पंचायतों में आज ÷सरपंच पति राज÷ हावी हो चुका है। निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति सरकारी कामों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, आदेश दे रहे हैं और निर्माण कार्य तक अपने हिसाब से करवा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो पंचायतों में लोकतंत्र नहीं बल्कि ÷परिवार तंत्र÷ चलने लगेगा। गांव की जनता ने वोट महिला सरपंच को दिया था, किसी सरपंच पति को नहीं।

प्रशासन की चुप्पी पर उठे बड़े सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर प्रशासन ऐसे मामलों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा?

क्या नियम सिर्फ गरीब जनता के लिए हैं?

क्या पंचायतों में सरकारी कामों में बाहरी हस्तक्षेप की खुली छूट दे दी गई है?

ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही और मौन समर्थन के कारण ही ऐसे लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो पंचायत व्यवस्था पूरी तरह भ्रष्टाचार और दबंगई की गिरफ्त में चली जाएगी।

ऐसे मामलों में हो सकती है सख्त कार्रवाई

कानूनी जानकारों के अनुसार यदि कोई सरपंच पति सरकारी कार्यों में अवैध हस्तक्षेप करता है, दबाव बनाता है या पंचायत के अधिकारों का दुरुपयोग करता है तो उसके खिलाफ-

पंचायत राज अधिनियम के तहत कार्रवाई

शासकीय कार्य में अवैध दखल देने पर दंडात्मक कार्रवाई

वित्तीय अनियमितता पाए जाने पर एफआईआरभ्रष्टाचार और दबावपूर्वक कार्य कराने पर आपराधिक मामलादोष सिद्ध होने पर अर्थदंड एवं जेल तक की कार्रवाई संभव

ग्रामीणों की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि ग्राम पंचायत अलनार में चल रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और सरपंच पति के कथित हस्तक्षेप पर कार्रवाई नहीं की गई, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

ग्रामीणों ने कहा -÷पंचायत जनता के अधिकार से चलती है, किसी सरपंच पति की दबंगई से नहीं।÷

अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन पंचायतों में लोकतंत्र बचाने के लिए कार्रवाई करता है या फिर ÷सरपंच पति राज÷ के सामने चुप्पी साधे बैठा रहता है।

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर ठेकेदार ब्लैकलिस्टेड 6 माह में 9 ठेकेदारों पर हुई कार्रवाई

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ निगम प्रशासन द्वारा शहर में चल रहे निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए लगातार कार्रवाई की जा रही है। समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण नहीं करने और कार्यों को अधूरा छोड़ने वाले ठेकेदारों की निविदाएं निरस्त कर दी गई हैं। साथ ही संबंधित फर्मों को ब्लैकलिस्ट करते हुए 1 लाख 44800 रुपए की अमानत राशि राजसात की गई है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 अंतर्गत ओल्ड सारंगढ़ बस स्टैंड में 10 सीटर टाइप-1 आकांक्षीय शौचालय निर्माण कार्य कर्णिका कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. रायगढ़ को दिया गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद भी कार्य पूरा नहीं किया गया और कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद कार्य की गति बेहद धीमी रही। वर्तमान में केवल वॉल टाइल्स लगाने का कार्य चल रहा था, जिस पर निगम प्रशासन ने नाराजगी जताई। इसके बाद निगम ने कार्रवाई करते हुए कर्णिका कंस्ट्रक्शन की निविदा निरस्त कर दी तथा फर्म को एक वर्ष के लिए निगम की सभी निविदाओं में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है। टेंडर लेने की आवाज में फर्म द्वारा जमा किए गए 1 लाख 44 हजार 800 रुपए की राशि राजसात करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी तरह संजय मैदान विकास कार्य में भी लापरवाही सामने आने पर निगम ने पूर्व में कान्हा कंस्ट्रक्शन के विरुद्ध ब्लैकलिस्टेड करने एवं अमानत राशि राजशत करने की कार्यवाही की थी। लगभग 39.79 लाख रुपए की लागत वाले इस कार्य को निर्धारित समय में पूरा किया जाना था, लेकिन ठेकेदार द्वारा कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। कान्हा कंस्ट्रक्शन की 2 लाख 61 हजार रुपए की ईएमडी राशि को राजसात की जा चुकी है। इसके अलावा शेष देय 1 लाख 19 हजार 917 रुपए की राशि की वसूली भू-राजस्व (लैंड रेवेन्यू) की तरह किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं शेष कार्यों को पूरा कराने के लिए जल्द नई निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने कहा कि शहर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा सबसे महत्वपूर्ण है, जो ठेकेदार कार्यों में उदासीनता बरतेंगे, उनके खिलाफ इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि निगम की प्राथमिकता शासकीय राशि का पारदर्शी उपयोग और समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों का कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने की समीक्षा

कलेक्टर ने अधिकारियों और सुपरवाइजरों को फील्ड में जाने के सख्त निर्देश दिए

पोर्टल में सही आंकड़ा एंट्री, त्रुटि सुधार सहित टीकाकरण और योजनाओं के कार्यों में भरपूर सहयोग करने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी पदमिनी भोई साहू ने शनिवार को महिला एवं बाल विकास विभाग एवं सहयोगी संस्था के कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने महतारी वंदन, बाल विवाह, टीकाकरण, पीएम मातृ वंदना, किशोर न्याय बोर्ड, सखी वन स्टॉप सेंटर, आंगनबाड़ी केंद्रों में दवा की उपलब्धता आदि के बारे में विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों और सुपरवाइजरों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के कार्यों में भरपूर सहयोग दें। दैनिक कार्य नहीं करने वालों के फील्ड में लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारी तत्काल सस्पेंड होंगे। कलेक्टर ने जिले में कुपोषण के आंकड़े को गंभीरता से लिया और सख्त निर्देश दिए कि सभी कुपोषित बच्चों की संख्या को पोर्टल में सही एंट्री करें। सम्बंधित सुपरवाइजर को मालूम होना चाहिए कि कितने बच्चे कुपोषित और सामान्य हैं। बच्चों और माता के कुपोषण को दूर करने उसे सुपोषण केंद्र में लाने के लिए पालक को प्रेरित करें। साथ ही बच्चों और माता को पोषक आहार नियमित रूप से सेवन करने और प्रति सप्ताह फॉलोअप करने के निर्देश दिए। यूनिसेफ के मापदंड अनुरूप बच्चों के सेहत और बौद्धिक विकास के लिए जिले के सभी फील्ड कर्मियों को अपडेट रहने के निर्देश दिए। वहीं सीएमएचओ को आंगनबाड़ी केंद्रों में दवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसमें डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह, महिला एवं बाल विकास अधिकारी उत्तम प्रसाद, सीएमएचओ वैष्णव और यूनिसेफ के अधिकारी सहित सुपरवाइजर एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अपराध जांच में हाईटेक कदमः जिले को मिली मोबाइल फॉरेंसिक वैन की सौगात

अब घटनास्थल पर ही जुटेंगे वैज्ञानिक साक्ष्य, न्यायिक प्रक्रिया होगी और तेज

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में कानून व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ÷मोबाइल फॉरेंसिक वाहन÷ का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस हाईटेक वैन के माध्यम से अब अपराध स्थल पर ही वैज्ञानिक साक्ष्यों का संग्रहण और प्रारंभिक जांच संभव हो सकेगी, जिससे अपराध जांच और न्यायिक प्रक्रिया में अभूतपूर्व तेजी आएगी। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व ही जिले में 'डायल 112' के 10 नए वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थानों एवं चौकियों में तैनात किया गया था। लगातार हो रहे इन तकनीकी विस्तारों को जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर पद्मिनी भोय साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, अभियोजन विभाग, फॉरेंसिक विशेषज्ञ, अधिवक्ता संघ के सदस्य और बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। मोबाइल फॉरेंसिक वैन को अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों से सुसज्जित किया गया है। इसमें रक्त नमूना परीक्षण किट, डिजिटल साक्ष्य संग्रहण उपकरण, सीसीटीवी फुटेज एक्सट्रैक्शन सिस्टम, हाई-परफॉर्मेंस लैपटॉप, जनरेटर आधारित पावर सप्लाई तथा रात्रिकालीन जांच के लिए हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अब घटनास्थल पर पहुंचते ही फॉरेंसिक टीम जैविक और डिजिटल साक्ष्यों की प्रारंभिक जांच कर सकेगी। इससे महत्वपूर्ण सबूत नष्ट होने से बचेंगे और केस की विवेचना अधिक वैज्ञानिक एवं मजबूत बनेगी।

न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत करने की प्रक्रिया भी पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी और तेज हो सकेगी। मुख्य अतिथि संजय भूषण पांडे ने कहा कि वर्तमान समय में अपराध के तरीके तेजी से बदल रहे हैं, इसलिए जांच एजेंसियों को भी तकनीकी रूप से उन्नत होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पहले छोटे-छोटे फॉरेंसिक परीक्षणों के लिए रायपुर या बिलासपुर का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब मौके पर ही साक्ष्य सुरक्षित किए जा सकेंगे। वहीं जिला कलेक्टर पद्मिनी भोय साहू ने कहा कि न्याय में देरी का सबसे बड़ा कारण जांच प्रक्रिया और रिपोर्ट मिलने में लगने वाला समय होता है। मोबाइल फॉरेंसिक वाहन की उपलब्धता से अब जांच में तेजी आएगी और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक संतोषी ग्रेस, एसडीओपी स्नेहिल साहू, रक्षित निरीक्षक जितेंद्र कुमार चंद्रा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर की गई कार्रवाई, 1 जेसीबी मशीन, 3 हाईवा और 4 ट्रैक्टर जब्त

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर रोकथाम हेतु राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न स्थानों का जांच किया गया।

खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान केवा-पिपर्दा मध्य हसदेव नदी से रेत अवैध खनन में संलिप्त 1 जेसीबी मशीन को जब्त कर पुलिस थाना बम्हनीडीह में सुरक्षार्थ रखा गया। इसके साथ ही बिर्रा एवं केवा (नवापारा), हाथनेवरा क्षेत्र का जांच किया गया। जांच के दौरान रेत अवैध परिवहन में संलिप्त 7 वाहनों जिसमें वाहन 3 हाईवा और 4 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में से 6 को पुलिस लाइन खोखरा एवं 1 ट्रैक्टर को पुलिस थाना बिर्रा में सुरक्षार्थ रखा गया है। रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन के दर्ज प्रकरणों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म पर अदालत का सख्त रुख, आरोपी को 10 साल की मिली सजा

- **विवेचना अधिकारी प्रमोद यादव ने सक्रिय जांच और सटीक साक्ष्य संकलन ने पीड़िता को न्याय दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई**

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ नाबालिग बालिका से दुष्कर्म और अपहरण के सनसनीखेज मामले में सारंगढ़ की विशेष अदालत ने बड़ा और सख्त फैसला सुनाते हुए आरोपी राहुल साहू को 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत के इस फैसले को महिला एवं बाल सुरक्षा की दिशा में न्यायपालिका का कड़ा संदेश माना जा रहा है। अपर सत्र न्यायाधीश एवं द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश अमित राठौर की अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान साफकहा कि नाबालिगों से जुड़े अपराध समाज के लिए गंभीर खतरा हैं और ऐसे मामलों में कानून पूरी कठोरता के साथ लागू किया जाएगा। मामला थाना सरिया क्षेत्र के ग्राम जटीयापाली का है, जहां आरोपी राहुल साहू ने 18 वर्ष से कम आयु की बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया था। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराध दर्ज किया और गहन विवेचना के बाद मजबूत साक्ष्यों के साथ न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने पीड़िता के बयान, मेडिकल रिपोर्ट, दस्तावेजी साक्ष्य और गवाहों के बयानों का गंभीर परीक्षण किया। सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए कड़ी सजा सुनाई।

अदालत ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत 5 वर्ष, धारा 87 के तहत 7 वर्ष तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4(1) के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं जुर्माने से दंडित किया। फैसले में न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की सहमति कानूनन मान्य नहीं होती। साथ ही पीड़िता के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन को पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत प्रतिकर राशि प्रदान करने की अनुशंसा की गई है। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रफुल्ल कुमार तिवारी ने प्रभावशाली पैरवी की, वहीं विवेचना अधिकारी उप निरीक्षक प्रमोद यादव की सक्रिय जांच और सटीक साक्ष्य संकलन ने पीड़िता को न्याय दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। अदालत के इस फैसले के बाद क्षेत्र में यह संदेश स्पष्ट रूप से गया है कि नाबालिगों के खिलाफ अपराध करने वालों को कानून किसी भी कीमत पर बख्शने वाला नहीं है।

ऑपरेशन अंकुश' के तहत रायगढ़ पुलिस की जुआ-सट्टा पर लगातार कार्रवाई, ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा मामले के फरार खाईवाल गिरफ्तार

रायगढ़ /मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में जुआ-सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन अंकुश÷ के तहत रायगढ़ पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की सख्ती के चलते अवैध सट्टा कारोबार में संलिप्त आरोपी अब अपराध से तौबा कर पुलिस के समक्ष सरेंडर भी कर रहे हैं। अभियान के तहत सट्टा के पूरे नेटवर्क और लिंक पर कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही है।इसी क्रम में दिनांक 22 मई 2026 को थाना पूंजीपथरा पुलिस टीम ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा मामले में फरार सट्टा खाईवाल रामफल अग्रवाल निवासी ग्राम गेरवानी को गिरफ्तार किया। ज्ञात हो कि 11 मई 2026 को थाना पूंजीपथरा एवं साइबर थाना की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम गेरवानी स्थित एक बर्तन दुकान में मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करते आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल एवं सुरेश अग्रवाल को रंगे हाथ पकड़ा गया था।पूछताछ में दोनों आरोपियों ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करना स्वीकार किया था। पुलिस ने आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल के कब्जे से तीन मोबाइल फोन एवं ?17,000 नगद तथा आरोपी सुरेश अग्रवाल के कब्जे से एक मोबाइल फोन एवं ?1,400 नगद जब्त किया था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया था कि सट्टे की रकम ग्राम गेरवानी निवासी खाईवाल रामफल अग्रवाल को नगद एवं डिजिटल माध्यम से पहुंचाई जाती थी। पुलिस टीम को देखकर रामफल अग्रवाल मौके से फरार हो गया था । थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक रामकिंकर यादव के नेतृत्व में आरोपी की लगातार तलाश की जा रही थी। गिरफ्तार आरोपी श्याम कुमार अग्रवाल एवं सुरेश अग्रवाल के विरुद्ध थाना पूंजीपथरा में अपराध क्रमांक 107/2026 धारा 4 एवं 7 छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्रवाई कर उन्हें रिमांड पर भेजा गया था। वहीं कल फरार आरोपी रामफल अग्रवाल पिता अशोक अग्रवाल उम्र 46 वर्ष निवासी गेरवानी थाना पूंजीपथरा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा -हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

सुशासन तिहार 2026 : 12 करोड़ 87 लाख 80 हजार रुपये की 09 नलजल योजनाओं का लोकार्पण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत समाधान शिविर स्थल ग्राम आनंदगांव, विकासखंड बेरला, जिला बेमेतरा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विभिन्न नलजल योजनाओं के लोकार्पण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, कलेक्टर सुप्रतिष्ठा ममगाई, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती प्रेमलता पद्माकर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता जे.पी. गोंड, सहायक अभियंता एस.के. प्रधान सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिले में लगभग 1287.80 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुई कुल 09 नलजल योजनाओं का लोकार्पण किया गया। इनमें विकासखंड बेमेतरा के ग्राम बहेरा (के) में रेट्रोफिटिंग नलजल योजना का 01 कार्य तथा विकासखंड बेरला के ग्राम लावातरा (एल), बेलोदी कला, उफरा, बुड़ेरा, चंडी, भटगांव, टेमरी एवं नेवनारा में एकल ग्राम नलजल योजना के 08 कार्य शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

ग्रामीण विकास और जनसुविधाओं को मिल रही नई गति-उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन एवं नलजल योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। इन योजनाओं से महिलाओं एवं बच्चों को विशेष राहत मिलेगी तथा ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल समस्याओं के समाधान का अभियान नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास एवं सहभागिता को मजबूत करने का माध्यम है। राज्य सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रही है।

उत्कृष्ट संचालन के लिए सरपंच सम्मानित-कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पहँदा के सरपंच को नलजल योजना के उत्कृष्ट संचालन एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए माननीय उपमुख्यमंत्री द्वारा अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल की उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सराहना की।

ग्रामीणों में दिखा उत्साह-लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि नलजल योजनाओं के शुरू होने से पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान होगा तथा गर्मी के मौसम में भी स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने शासन की जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रशंसा करते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

विश्वस्तरीय रेल सेवा के दावों के बीच यात्रियों की सुरक्षा पर गहराता भरोसे का संकट

यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सुरक्षित सफर के लिए रेल सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ बुनियादी सुरक्षा उपाय विभागीय अनदेखी की वजह से कमजोर पड़ते जा रहे हैं ।यह बात छिपी नहीं है कि इस तरह के रेल हादसों में नाममात्र की कार्रवाई होती है और बाद में जांच के नतीजे भी सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं ।रेल सेवा आम लोगों के लिए जीवन रेखा मानी जाती है, मगर यह सुविधा कई बार यात्रियों की जान पर भारी पड़ जाती है। सरकार की ओर से देश के रेल सेवा तंत्र को विश्वस्तरीय बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि कब और कहां रेल हादसा हो जाए, इसकी आशंका हमेशा बनी रहती है। पिछले दो दिन में तीन रेल हादसों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता को और गहरा कर दिया है ।बिहार के सासाराम में सोमवार को प्लेटफॉर्म पर खड़ी एक यात्री रेलगाड़ी में आग लग गई, जिससे एक डिब्बा पूरी तरह जल गया। दूसरा हादसा उत्तराखंड में ऋषिकेश के योगनगरी रेलवे स्टेशन पर रात को हुआ, जब ट्रैक बदलते समय उज्जैनी एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इससे पहले रविवार को मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में राजधानी एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगने की घटना सामने आई थी। गनीमत रही कि इन तीनों हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई। मगर सवाल है कि इस तरह के हादसों से सबक लेकर हर स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाने को लेकर गंभीरता आखिर नदारद क्यों है ?यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर सुरक्षित सफर के लिए रेल सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ बुनियादी सुरक्षा उपाय विभागीय अनदेखी की वजह से कमजोर पड़ते जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, सासाराम में रेलगाड़ी की एक बोगी में आग की घटना के समय स्टेशन पर अग्निशमन की माकूल व्यवस्था नहीं थी। न तो वहां रेलगाड़ी में पानी भरने के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से तत्काल पानी उपलब्ध हो पाया और न ही स्टेशन पर रखे गए अग्निशमन सिलेंडरों में गैस थी। आग कैसे लगी, इसका भी कोई स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है ।यह बात छिपी नहीं है कि इस तरह के रेल हादसों में नाममात्र की कार्रवाई होती है और बाद में जांच के नतीजे भी सार्वजनिक नहीं किए जाते हैं। कहने को रेलवे बोर्ड के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, लेकिन व्यवस्थागत खामियों को जब तक दुरुस्त नहीं किया जाएगा और हर स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक सुरक्षित सफर की उम्मीद धुंधली ही रहेगी ।उत्तराखंड के ऋषिकेश में सोमवार रात उज्जैन एक्सप्रेस हादसे का शिकार हो गई। योग नगरी रेलवे स्टेशन के पास खांड गांव क्षेत्र में रात करीब 9~30 बजे ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय ट्रेन में कोई यात्री सवार नहीं था। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि ट्रेन की नियमित मेंटेनेंस के दौरान यह हादसा हुआ।

शुभेंदु सरकार की गति और संकल्प सिद्धि के प्रयासों से जुड़े निर्णयों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ने लगा है। हालत यह हो गई है पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का डायमंड हार्बर मॉडल का पुष्पा जहागीर खान बहाना बनाकर फलटा विधानसभा उपचुनाव में ठीक उसी समय पलटा मारकर कर भाग गया जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को विजयी बनने के लिए रोड शो निकाल रहे थे। यह वही क्षेत्र है जहां विधानसभा चुनावों के दौरान ईवीएम मशीन पर भाजपा के चुनाव चिन्ह के आगे काला टेप लगा दिया गया था। यूपी के एक तेजतर्रार पुलिस अफसर अजय पाल शर्मा की आब्जर्वर के रूप में नियुक्ति हुई थी जिसके बाद जहांगीर खान ने पोस्टर जारी करके अपने आप को पुष्पा बताने की जुर्रत की थी। आज वही तथाकथित पुष्पा चुनावी मैदान बीच में छोड़कर भाग खड़ा हुआ। यह भय बनाम भरोसे में भरोसे की एक और बड़ी जीत है।

शुभेंदु सरकार के त्वरित निर्णयों से उभरता नया बंगाल

(मृत्युंजय दीक्षित)

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के भगवावस्त्र धारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चरण स्पर्श किए थे और उनके शपथ ग्रहण में योगी जी ने अपना भगवा पटका उनके गले में डाला था तभी यह बात तय हो गई थी कि बंगाल भी उत्तर प्रदेश की तरह सांस्कृतिक पुनर्जागरण के मार्ग पर चलने वाला है।

बंगाल में 69 वर्षों के अथक संघर्ष के बाद बनी शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार अपने चुनावी संकल्प पत्र के अनुरूप काम पर लग गई है। सत्ता परिवर्तन होते ही सभी धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर बंद करवाए गए। अवैध बूचड़खानों पर बुलडोजर एक्शन के आदेश जारी हुए। सभी विद्यालयों में अब सम्पूर्ण वंदेमातरम का गायन अनिवार्य कर दिया गया है। सड़कों पर नमाज व अन्य धार्मिक गतिविधियों पर पाबंदी लगा दी गई है। सीमा पर फेंसिंग के लिए सीमा सुरक्षा बल को जगह दे दी गई है और सम्पूर्ण भूमिहस्तांतरण निर्णय के 45 दिन में पूरा हो जाएगा। चिकन नेक क्षेत्र केंद्र को सौंप दिया गया है। धार्मिक आधार पर चलने वाली योजनाएं जैसे इमामों को वेतन बंद कर दिया गया है। आर.जी.कर केस की फाइल दोबारा खुलने के आदेश हो गए हैं। आयुष्मान भारत जैसी केंद्रीय जन कल्याण योजनाएं अब बंगाल पहुँच रही हैं।

शुभेंदु सरकार की गति और संकल्प सिद्धि के प्रयासों से जुड़े निर्णयों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ने लगा है। हालत यह हो गई है पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का डायमंड हार्बर मॉडल का पुष्पा जहागीर खान बहाना बनाकर फलटा विधानसभा उपचुनाव में ठीक उसी समय पलटा मारकर कर भाग गया जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार को विजयी बनने के लिए रोड शो निकाल रहे थे। यह वही क्षेत्र है जहां विधानसभा चुनावों के दौरान ईवीएम मशीन पर भाजपा के चुनाव चिन्ह के आगे काला टेप लगा दिया गया था। यूपी के एक तेजतर्रार पुलिस अफसर अजय पाल शर्मा की आब्जर्वर के रूप में नियुक्ति हुई थी जिसके बाद जहांगीर खान ने पोस्टर जारी करके अपने आप को पुष्पा बताने की जुर्रत की थी। आज वही तथाकथित पुष्पा चुनावी मैदान बीच में छोड़कर भाग खड़ा हुआ। यह भय बनाम भरोसे में भरोसे की एक और बड़ी जीत है। यह सब कुछ हिंदुओं की एकजुटता और उनके जागरण से ही संभव हो सका है अगर हिंदू समाज आगे भी इसी प्रकार एकजुट रहता है तो सनातन का अपमान करने व उन्हें भयभीत करने वाले लोग इसी प्रकार से स्वतः प्रेरणा से भागते रहेंगे।

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के भगवावस्त्र धारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चरण स्पर्श किए थे और उनके शपथ ग्रहण में योगी जी ने अपना भगवा पटका उनके गले में डाला था तभी यह बात तय हो गई थी कि बंगाल भी उत्तर प्रदेश की तरह सांस्कृतिक पुनर्जागरण के मार्ग पर चलने वाला है।

छुटपुट घटनाओं को सनसनीखेज बताने का असफल प्रयास किया। जब वह कोर्ट परिसर से बाहर निकलने लगीं तब वकीलों के एक बड़े समूह ने उन्हें घेर लिया और चोर -चोर के नारे लगाए।

बंगाल में अब सीबीआई तथा ईडी जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों का प्रवेश संभव हो गया है, जिससे वहां 69 वर्षों में हुए घोटालों की जांच में गति आएगी। ईडी ने टीएमसी के बड़े नेताओं को हिरासत में ले भी लिया है।

बंगाल में भी दंगाइयों व उत्पातियों का इलाज यूपी की ही तरह होगा। कोलकाता के जिस थाने पर दगांइयों ने हमला करने का प्रयास किया था वहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद पहुंचे और पुलिस बलों का मनोबल बढ़ाते हुए दंगाइयों व उपद्रवियों के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनाने को कहा। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि पुलिस पहले ममता दीदी के गुंडों से डरती थी किंतु अब समय बदल चुका है।

शुभेंदु सरकार के बड़े निर्णयों में वर्ष 2021 के चुनावों के बाद राज्य में हुई राजनतिक हत्याओं व हिंसक घटनाओं की सभी फाइलें खोलना भी है जिसके कारण ममता दीदी इतनी अधिक भयभीत हो गयीं कि वह काला कोट पहनकर हाईकार्ट पहुंच गयीं और 2021 की हिंसा से ध्यान भटकाने के लिए 2026 के चुनावों के बाद घटी कुछ शुभेंदु अधिकारी के 145 एकड़ जमीन बीएसफ को देने के ऐतिहासिक निर्णय से बांग्लादेशी घुसपैठ की रोकथाम में महत्वपूर्ण सफलता मिलने की आशा है क्योंकि बांग्लादेश से लगी हुई बंगाल की लंबी खुली सीमा से बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठिए आसानी प्रवेश कर लेते थे। अब सीमा पर तीव्रता के साथ फेंसिंग का कार्य होगा।

बंगाल में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए धर्म के आधार पर चलने वाली सभी योजनाएं बंद कर दी गई हैं। नई सरकार ने वोटबैंक के पुराने ढर्रे को ध्वस्त करने के एजेंडे पर आगे बढ़ चुकी है। बंगाल कैबिनेट ने धर्म के आधार पर चलाई जा रही सभी वित्तीय सहायता योजनाओ को पूरी तरह से बंद करने का निर्णय लिया है। यह मात्र एक प्रशासनिक निर्णय नहीं अपितु बंगाल की राजनीतिक दिशा को बदलने वाला वैचारिक परिवर्तन है। चुनावी बिसात पर इमामों, मुअज्जिनों और पुरोहितों के लिए शुरू की गई मासिक भत्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बंगाल के खेल मंत्री नीशिथ प्रामाणिक ने कोलकाता के युवा भारती क्रीडांगन परिसर में लगी व लोगो वाली फुटबालर की आधी प्रतिमा को तोड़े जाने का आदेश दिया है, बंगाल सरकार की विभिन्न वेबसाइटो से भी इसे हटाया जा रहा है। दिसंबर 22 में अर्जेंटीना के फुटबॉलर मेसी के कार्यक्रम में मची भगदड़ और कुप्रबंधन की जांच की जाएगी। उस घटना की फाइलें खोलने के आदेश जारी हो चुके हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी व अन्य सभी सहयोगी मंत्री यह बात लगातार कह रहे हैं कि जिन लोगों ने बंगाल को लूटा और जनता के मन मे भय पैदा किया उन सभी पर कार्यवाही जरूर की जाएगी।

बंगाल में अब आयुष्मान भारत योजना सहित केंद्र सरकार की तमाम कल्याणकारी योजनाओं के लागू होने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। भाजपा ने बंगाल की महिलाओं से किए गए वादों को भी लागू करना भी आरंभ कर दिया है। आगामी एक जून 2026 से महिलाओं को 3000 रुपये की मासिक सहायता वाली अन्नपूर्णा योजना को भी मंजूरी दे दी गई है। बंगाल की महिलाओ को बस में फ्री यात्रा की सुविधा भी मिलने जा रही है। सरकारी कर्मचारियों के साथ किया गया 7वें वेतन आयोग का वादा भी पूरा होने जा रहा है। बंगाल मे पड़ोसी राज्यों से ट्रकों की आवाजाही के दौरान 100 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक की जो कटमनी टीएमसी के गुंडे वसूल रहे थे उनके अनधिकृत टोल नाके बंद किए जाने के आदेश आ चुके हैं। बंगाल का आलू अब पूरे भारत में जाएगा।

बंगभूमि पर वंदेमातरम की गूंज व जयश्रीराम का नारा सुनाई दे रहा है। बंगाल परिवर्तन की डगर पर चल पड़ा है। भय पर भरोसे की विजय हो रही है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एचआईवी वैक्सीन की खोज: चुनौतियों के बीच चमकती उम्मीद

(योगेश कुमार ग)

यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। पूरी दुनिया में एचआईवी एक खतरनाक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है। एचआईवी मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उपचार नहीं किए जाने पर एड्स में बदल सकता है। एड्स पहली बार 1981 में अमेरिका में रिपोर्ट किया गया है, जिसे 'एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस' भी कहा जाता है। वास्तव में यह उन वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के काम का सम्मान करने का अवसर है, जो लंबे समय से एचआईवी की रोकथाम के लिए टीका बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

पहली बार 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भाषण का सम्मान करते हुए 18 मई 1998 को मनाया गया था। दरअसल बिल क्लिंटन ने 18 मई 1997 को मैरीलैंड में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में इस घातक बीमारी को रोकने और उन्मूलन में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए एचआईवी का एक ऐसा टीका विकसित करने के लिए विज्ञान

था और देखते ही देखते यह एक विश्वव्यापी महामारी बन गया। एड्स ऐसी स्थिति होती है, जो संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को बेहद कमजोर कर देती है। ऐसे व्यक्ति को तपेदिक, विभिन्न संक्रमण और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में इस समय चार करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2021 में साढ़े छह लाख लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और 15 लाख लोगों को एचआईवी हुआ। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एचआईवी दुनियाभर में 4.01 करोड़ लोगों की मौत का कारण बन चुका है और अभी भी सभी देशों में एचआईवी संचरण देखा जा रहा है तथा कुछ देश तो नए मामलों में वृद्धि भी रिपोर्ट कर रहे हैं।

यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी के लिए टीका विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के लिए 18 मई को 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था कि एक प्रभावी एचआईवी टीका ही एचआईवी के प्रसार को नियंत्रित करने और उन्मूलन में मदद करेगा और एचआईवी से लड़ने की लोगों की क्षमता में सुधार करेगा। तभी से वैश्विक स्तर पर कई समूहों द्वारा लोगों को एड्स निवारक उपाय करने, एड्स संबंधी शिक्षा का प्रसार करने, शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने तथा इस कार्य में आम आदमी की पूर्ण भागीदारी का आश्वासन देने के लिए विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया जाता है।

विभिन्न बीमारियों के उपचार और रोकथाम के लिए टीके मानवता की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक हैं, जो मानव शरीर को वायरस अथवा बैक्टीरिया के कमजोर या निष्क्रिय रूप में उजागर करके अपना काम करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी विकसित करने के लिए उत्तेजित करते हैं ताकि शरीर भविष्य के संक्रमण से भी लड़ सके। इसीलिए एक सफल एचआईवी टीका बनाने के लिए भी दुनियाभर के शोधकर्ता प्रयासरत हैं, जिससे वायरस के प्रसार को रोकते हुए लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिल सके। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में एड्स के टीके की खोज की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन एक कारगर सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन की राह में अभी भी काफी चुनौतियां बरकरार हैं।

'जेन जी' का नया एडीशन और 'कॉकरोच' का 'हिट'

प्रो. मनोज कुमार

2014 को समाज नहीं भूला होगा और अब उनकी याद में 2026 भी दर्ज हो गया है। 2014 में 'जेन जी' का भारत में उदय हुआ था। भ्रष्टाचार और युवाओं के सपनों को लेकर अन्ना हजारे की अगुवाई में लाखों युवा सडक़ पर उतर आए थे। उम्मीद और भरोसे के साथ देश की राजधानी दिल्ली की सडक़ें युवाओं से पट गई थी। इसी समय चाय पर चर्चा करती भाजपा ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। केन्द्र की सरकार पर भाजपा इस 'जेन जी' के रास्ते सत्ता में काबिज हो गई तो केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने दिल्ली राज्य की सत्ता पर 'जेन जी' के सहारे बैठ गए। 2014 की पुनरावृत्ति सडक़ पर नहीं, सोशल मीडिया पर दिख रही है जब गुस्साये एक नौजवान ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के नाम से संगठन खड़ा कर दिया। हैरानी नहीं होना चाहिए बल्कि पड़ताल होना चाहिए कि 'जेन जी' इस समय कितना उबल रहा है और देखिए कि कुछ घंटों में हजारों से लाखों और लगभग इस समय तक करोड़ के आसपास युवा जुड़ गए हैं। 2014 के आंदोलन और आज के कॉकरोच जनता पार्टी के बीच कोई साम्य नहीं है लेकिन जेपी आंदोलन, अन्ना आंदोलन और आज के इस सोशल मीडिया आंदोलन में एक साम्य है, वह कि युवा जब घायल होता है तो वह संसार बदल डालता है। इसे आप कॉकरोच जनता पार्टी कहें या नेपाल के 'जेन जी' का नया एडीशन, युवाओं का गुस्सा उफान पर है।

कॉकरोच जनता पार्टी से जुडऩे का आह्वान भी अलग किस्म का है। यहाँ उसे सरकार बदलने या कथित बयान पर गुस्सा निकालने की कोई अपील नहीं किया गया बल्कि सीधे-सीधे उन लोगों से जुडऩे का अनुरोध किया गया जो बेरोजगार हों, आलसी हों और ज्यादतर ऑनलाइन रहते हों। यह अपील भी नाराजगी जाहिर करने का अपनी किस्म का शायद पहला हो लेकिन देखते ही देखते करोड़ों की संख्या में लोग जुडऩे लगे। सोशल मीडिया के महारथी भी इस तूफान से औचक और हैरान रह गए। उनकी सारी कोशिशें नाकाम हो गई और 'कॉकरोच' ने ऐसा 'हिट' मारा की सबके सब दुबक गए। पहले तो इस बात को समझ लें कि आखिर कॉकरोच जनता पार्टी का सोशल मीडिया एडीशन क्यों और कैसे खड़ा हुआ? कहा जाता है कि इस समूह का जन्म एक कथित टिप्पणी के विरोध से हुआ। यह भी स्पष्ट कर दें कि जिस टिप्पणी को लेकर युवा आक्रोशित हुआ है, उस टिप्पणी पर सफाई भी दी जा चुकी है। आमतौर पर देखा और समझा जा सकता है कि अनेक बार बयानों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जाता है और सोशल मीडिया में ऐसे बयान को वायरल कर दिया जाता है। वायरल करने वाले का एकमात्र मकसद होता है अधिकाधिक धन अर्जन करना लेकिन दूसरी तरफ इस वायरल मैसेज से समाज में जो अराजकता उत्पन्न होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है, उसकी आहट सुनायी देने लगी है। भारत के इतिहास में यह पहला मौका नहीं है, अनेक बार ऐसी स्थिति आयी है किन्तु इस बार इसे सतही तौर पर लिया जाना थोड़ा खतरनाक हो सकता है। सोशल मीडिया का प्रभाव जितना बड़ा है, उसका बिजनेस मॉडल कहीं उससे ज्यादा बड़ा है। इस बात को भी जेहन में रखकर सोचना होगा।

2014 का अन्ना आंदोलन आज भी लोगों के जेहन में है और केन्द्र की सत्ता परिवर्तन का एक बड़ा कारक इसे माना जाता है। यह आज के कॉकरोच जनता पार्टी की भाँति उदय ना होकर मुद्दा आधारित था। लोकपाल माँग के साथ अन्ना आंदोलन की स्क्रिप्ट लिखी गई थी।

जिस लोकपाल की माँग को लेकर आंदोलन खड़ा किया गया था, वह पूर्ण हुआ या नहीं, यह अलग विषय है। हालाँकि इसी आंदोलन से केजरीवाल ने 'आप' पार्टी को जन्म दिया। लोकप्रियता का आलम यह था कि लोकसभा में जलवा दिखाने वाली भाजपा को नाक के नीचे 'जेन जी' वाले केजरीवाल ने सत्ता से बाहर ही रखा। यह सब सुनियोजित नहीं था, जो हो रहा था, वह अप्रत्याशित था। लोगों के बीच संदेश गया कि जेपी आंदोलन के बाद देश में फिर एक बार परिवर्तन की लहर चल पड़ी है। दिल्ली की सत्ता में आप पार्टी ने कई प्रयोग किए लेकिन आखिरकार उनको भी मतदाताओं ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। लोकतंत्र में मतदाता भगवान होता है और वह चाहे जो निर्णय दे, वही मान्य होता है। पराजय के बाद आरोप-प्रत्यारोप स्वाभाविक है।

यहाँ यह बता देना सामयिक होगा कि जिन लोगों को जेपी आंदोलन याद है, जिन लोगों को अन्ना आंदोलन का स्मरण है, वे याद रखें कि संभवत~ देश में ऐसी ही युवा आंदोलन से असम में पहली बार प्रफुल्ल मोहंता सरकार बनी थी। इसकी उम्र भी कोई दसेक साल की रही। सवाल यह है कि युवा जोश ठंडा पड़ गया या कि मतदाता जागरूक हो गए जिन्होंने तीसरी बार मोहंता को अवसर नहीं दिया। कुछ ऐसा ही मामला बंगाल से रूखसत की गई ममता बेनर्जी को दिखता है। ऐसे ही जोश-खरोश के साथ बंगाल के मतदाताओं ने टीएमसी को पंद्रह वर्षों तक सत्ता सौंपी थी लेकिन विकल्प मिलते ही उन्हें सरकार से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। फिर वही विलाप कि चुनाव में धांधली की गई। खैर, यह सब होता है और होता रहेगा।

अब सवाल आज की सोशल मीडिया पर बनी कॉकरोच जनता पार्टी का है। युवा वेग उफान पर है लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि यह वेग कब तक रहेगा और किस दिशा में चलेगा? नाराजगी में बना कोई संगठन (फिलहाल कानूनी अस्तित्व नहीं) अक्सर रास्ता भटक जाता है। जिस तेजी से युवा लामबंद हो रहे हैं, वह बदलाव ला भी सकते हैं और खुद भी बदल सकते हैं। मिसाल के तौर पर नेपाल में जो कुछ हुआ, वह भारत में संभव नहीं है। युवा उम्र ही क्रांति का बीज बोती है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है लेकिन क्रांति के लिए मुद्दाआधारित गुस्से की जरूरत होती है और ऐसे आंदोलन जेपी और अन्ना का इस देश ने देखा है। भारत में नए किस्म के 'जेनजी' को फिलवक्त कुछ राजनीतिक लोगों का समर्थन भी मिलता दिख रहा है। प्रतिपक्ष की राजनीति देशहित के लिए होता है और संभव है कि आगे भी इस नए-नवेले संगठन को कोई साथ मिलेगा क्योंकि लाभ की राजनीति भला कौन छोडऩा चाहेगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि सोशल मीडिया का प्रभाव संचार के किसी भी अन्य माध्यमों से ज्यादा प्रभावी और व्यापक है। घड़ी के सेकंड के काँटें के साथ सोशल मीडिया में लिखी-बोली गई बातें दुनिया भर में फैल जाती हैं और यही सबकुछ अभी हो रहा है। किसी राजनीतिक पार्टी को अपना कुनबा बढ़ाने के लिए वर्षों लग जाते हैं, वहीं अल्प समय में खड़ी हुए संगठन में करोड़ लोगों का जुट जाना अस्वाभाविक है।आगे देखना दिलचस्प होगा कि कॉकरोच जनता पार्टी रील की तरह स्क्रॉल हो जाएगी या इसका जेपी-अन्ना आंदोलन जैसा कोई प्रभाव दिखेगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

हर नागरिक को करना होगा 4 प्रकार के डस्टबीन का उपयोग, स्वच्छ और सुंदर बीजापुर के लिए नगर पालिका परिषद मिशन मोड में सक्रिय

बीजापुर/मूक पत्रिका

शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बीजापुर ने 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026' को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद के सांस्कृतिक भवन में जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, होटल संचालकों और गणमान्य नागरिकों की विशेष जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एस डब्लू एम) नियम 2026 की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। लोगों को कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक प्रतिबंध और अपशिष्ट प्रबंधन के नियमों के पालन के लिए जागरूक किया गया। बैठक में बताया गया कि 1 अप्रैल 2026 से स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत नागरिकों को चार अलग-अलग रंगों के डस्टबीन का उपयोग करना होगा। हरे डस्टबीन में गीला कचरा, नीले में सूखा कचरा, लाल में सेनेटरी कचरा तथा पीले डस्टबीन में हानिकारक कचरा रखना अनिवार्य होगा।अधिकारियों ने पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन पर पूर्ण प्रतिबंध की जानकारी भी दी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार जुर्माना लगाए जाने की चेतावनी दी गई। बैठक में बल्क वेस्ट जनरेटर यानी अधिक मात्रा में कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों के लिए ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य किए जाने की जानकारी दी गई। ऐसे संस्थानों को अपने परिसर में ही गीले कचरे के निपटान की व्यवस्था विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। नगर पालिका परिषद बीजापुर ने नागरिकों से स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बीजापुर निर्माण में सक्रिय सहयोग की अपील की है।

चार रंग के डस्टबीन से होगा कचरे का पृथक्करण

नगर पालिका परिषद ने नागरिकों को घर और प्रतिष्ठानों में चार प्रकार के डस्टबीन रखने के निर्देश दिए हैं।

हरा डस्टबीनः गीला कचरा
नीला डस्टबीनः सूखा कचरा
लाल डस्टबीनः सेनेटरी कचरा
पीला डस्टबीनः हानिकारक कचरा

नगर पालिका के अनुसार कचरे का सही पृथक्करण होने से निस्तारण प्रक्रिया आसान होगी और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में मदद मिलेगी।

पॉक्सो मामले में राहुल साहू को 10 साल की सजा, नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को अदालत ने ठहराया दोषी..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

थाना सरिया क्षेत्र से जुड़े पॉक्सो एक्ट के एक गंभीर मामले में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी राहुल साहू को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत के इस फैसले को बाल सुरक्षा और महिला सम्मान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। न्यायाधीश अमित राठौर की अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए विभिन्न धाराओं के तहत कारावास और जुर्माने से दंडित किया। फैसले के बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की बात सामने आई है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गया था आरोपी-मामले के अनुसार थाना सरिया क्षेत्र के ग्राम जटीयापाली निवासी राहुल साहू पर आरोप था कि उसने एक नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों ने थाना सरिया में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी प्रमोद कुमार यादव द्वारा की गई, जिसमें घटनाक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए और आरोपी के खिलाफन्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

जांच और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने सुनाया फैसला-न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के माध्यम से यह प्रमाणित किया कि पीड़िता नाबालिग थी। इसी आधार पर मामला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 यानी पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया। अदालत ने मामले की संवेदनशीलता और उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए आरोपी राहुल साहू को दोषी ठहराया। न्यायालय ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत 5 वर्ष, धारा 87 के तहत 7 वर्ष तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4(1) के तहत 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही आरोपी पर जुर्माना भी लगाया गया।

पीड़िता के पुनर्वास के लिए प्रतिकर राशि की अनुशंसा-अदालत ने केवल सजा तक सीमित न रहते हुए पीड़िता के शारीरिक और मानसिक पुनर्वास को भी महत्वपूर्ण माना। न्यायालय ने पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत राज्य शासन को पीड़िता को प्रतिकर राशि प्रदान करने की अनुशंसा की है। फैसले में यह भी स्पष्ट किया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और कानून की नजर में नाबालिग की सहमति मान्य नहीं होती।

विशेष लोक अभियोजक ने रखी प्रभावी पैरवी-मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रफुल्ल कुमार तिवारी ने प्रभावी पैरवी करते हुए अभियोजन पक्ष का पक्ष मजबूती से रखा।

अदालत का यह फैसला समाज में बाल सुरक्षा और महिलाओं के खिलाफअपराधों को लेकर न्यायपालिका के सख्त रुख को दर्शाता है। स्थानीय स्तर पर भी इस निर्णय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जहां लोग इसे पीड़ित परिवार के लिए न्याय और अपराधियों के लिए कड़ा संदेश बता रहे हैं।

धरती आबा शिविर में गूंजी जनता की आवाज, लापरवाह सचिव पर कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई

पंचायत में मनमानी पड़ी भारी, शिकायत मिलते ही सचिव निलंबित

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पंचायत परसापाली में आयोजित धरती आबा शिविर उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत सचिव सुदर्शन हिरवानी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया और मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि 22 मई 2026 को आयोजित शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इन्द्रजीत वर्मन भी मौजूद थे। इस दौरान ग्राम पंचायत परसापाली के सरपंच एवं पंचों ने सचिव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। शिकायत में कहा गया कि सचिव नियमित रूप से पंचायत कार्यालय नहीं आते थे, आम नागरिकों के आवेदन लेने में लापरवाही बरती जा रही थी, जन्म-मृत्यु पंजीयन जैसे जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे थे और शासकीय कामकाज पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका था। ग्रामीणों की शिकायत सुनते ही कलेक्टर ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जिला पंचायत सीईओ इन्द्रजीत वर्मन ने सचिव सुदर्शन हिरवानी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया तथा उनका मुख्यालय जनपद पंचायत बिलाईगढ़ निर्धारित किया गया।

जनता बोली — अब दिखा प्रशासन का असली एक्शन-लंबे समय से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि पंचायत में अव्यवस्था और लापरवाही चरम पर थी, लेकिन अब प्रशासन ने साफ संदेश दे दिया है कि जनता की समस्याओं से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। धरती आबा शिविर में हुई इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती की चर्चा तेज हो गई है।

एम्स रायपुर ने 10 माह के मासूम को दी नई जिंदगी, दुर्लभ हृदय सर्जरी में मिली बड़ी सफलता

जटिल हृदय शल्य चिकित्सा में एम्स रायपुर की बड़ी उपलब्धि, दुर्लभ बीमारी से पीड़ित शिशु को बचाया

रायपुर/मूक पत्रिका

बाल हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर ने 10 माह के एक मासूम शिशु की दुर्लभ और अत्यंत जटिल हृदय शल्य चिकित्सा सफलतापूर्वक संपन्न की। शिशु 'एएलसीएपीए' (एनॉमलस लेफ्ट कोरोनरी आर्टरी फ्रॉम द पल्मोनरी आर्टरी) नामक अत्यंत दुर्लभ और जानलेवा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था। यह बीमारी लगभग तीन लाख नवजात शिशुओं में से किसी एक में पाई जाती है। रायपुर जिले के रहने वाले इस शिशु को अत्यधिक जोखिमपूर्ण स्थिति के कारण कई स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार से मना कर दिया गया था। बाद में उसे एम्स रायपुर रेफर किया गया, जहां कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक एनेस्थीसिया, रेडियोलॉजी और पीडियाट्रिक्स विभागों के विशेषज्ञों की बहु-विषयक टीम ने इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम दिया। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नाइक के अनुसार, एएलसीएपीए जन्मजात हृदय रोगों में सबसे दुर्लभ और जटिल बीमारियों में से एक है तथा दुनिया में केवल कुछ ही विशेष चिकित्सा केंद्र ऐसे गंभीर मामलों का उपचार करने में सक्षम हैं। शिशु को अत्यंत कमजोर हृदय क्षमता के साथ भर्ती किया गया था। उसका लेफ्ट वेंट्रिकुलर इजेक्शन फ्रैक्शन केवल 20 प्रतिशत था और गंभीर माइट्रल रिगर्जिटेशन की स्थिति ने ऑपरेशन और उसके बाद की चुनौतियों को और अधिक बढ़ा दिया था।

यह जटिल शल्य चिकित्सा कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी टीम द्वारा सफलतापूर्वक की गई। सर्जरी के दौरान तथा बाद की जटिल एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर प्रबंधन की जिम्मेदारी डॉ. सुब्रत सिंघा और उनकी टीम ने संभाली। ऑपरेशन के बाद शुरुआती 24 घंटे बेहद महत्वपूर्ण रहे, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा लगातार गहन निगरानी और उन्नत जीवन रक्षक सहायता प्रदान की गई।सफल सर्जरी के बाद शिशु की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। ऑपरेशन के दूसरे दिन उसे वेंटिलेटर से हटा लिया गया और नौवें दिन स्वस्थ एवं स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस सफलता पर चिकित्सा दल को बधाई देते हुए लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह उपलब्धि एम्स रायपुर के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि यह सफलता संस्थान की उन्नत बाल हृदय शल्य चिकित्सा और उच्च जोखिम वाले हृदय रोग उपचार में बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाती है, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के समकक्ष है।

स्काउट एवं गाइड दल द्वारा चलाया जा रहा मासिक धर्म पर जागरूकता कार्यक्रम

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में मासिक धर्म का जागरूकता कार्यक्रम को और गति देने हेतु स्काउट एवं गाइड दल द्वारा कलेक्टर पदमिनी भोई साहू से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम एवं जिले में हो रहे विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। मुलाक़ात के दौरान कलेक्टर ने कहा कि यह कार्यक्रम किशोर किशोरियों को ही नहीं वरन संपूर्ण समाज को एक नयी सोच एवं नए वातावरण में वर्तमान और आगामी पीढ़ी के बालिकाओं के प्रति नजरिया में बदलाव लाएगी। सभी जागरूक होंगे। कलेक्टर ने यूनिसेफ एवं स्काउट्स गाइड्स के द्वारा शुरू की गई इस पहल की सराहना की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं के बीच मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाना, सामाजिक संकोच को दूर करना तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक माहवारी प्रबंधन के प्रति सकारात्मक संवाद स्थापित करना है। एएसपी निमिषा पाण्डेय ने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिस पर चुप्पी नहीं बल्कि खुलकर संवाद और जागरूकता की आवश्यकता है। प्रत्येक बेटी को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सम्मानजनक माहवारी प्रबंधन का अधिकार मिलना चाहिए।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव जी ने के कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से शुरू किया गया यह अभियान किशोर स्वास्थ्य एवं जागरूकता के क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभाएगा। स्काउट्स एवं गाइड्स हमेशा सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं और यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम को सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले से जिला संयुक्त सचिव गुणवती साहू जिला संगठन आयुक्त (गाइड) धात्री नायक, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (गाइड) मीना जांगड़े एवं सतरूपा बसंत (जिला काउंसलर भगवान प्रसाद बसंत, रमाशंकर साहू, छतराम निराला, विकासखण्ड सचिव सारंगढ़ कन्हैया लाल लहरे आदि ने अपनी उपस्थिति देकर इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में अपनी भागीदारी दी।उल्लेखनीय है कि राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट डॉ. पूनम सिंह साहू, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सरिता पाण्डेय राज्य संगठन आयुक्त द्वय अमित क्षत्री एवं जलवती साहू के निर्देशानुसार मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत ÷तारुण्य वार्ता÷ के दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम को जिला के सभी लीडर का ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न कराया गया जिससे सभी लीडर अपने अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक बच्चों को जानकारी साझा कर लाभान्वित कर सकें।

'आखिर किसके इशारे पर चला बुलडोजर' स्थगन आदेश, आबादी भूमि और प्रशासनिक चुप्पी ने सावतकूत मामले को बनाया बड़ा विवाद

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

देवराज दीपक / बरमकेला ब्लॉक के ग्राम सावतकूत में मुरलीधर पटेल के रसोई घर पर चली प्रशासनिक कार्रवाई अब गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। एक ओर पीड़ित परिवार इसे राजनीतिक दबाव में की गई कार्रवाई बता रहा है, तो दूसरी ओर कार्रवाई करने पहुंची प्रशासनिक टीम मीडिया के सवालों से बचती नजर आई। पूरे मामले ने प्रशासनिक पारदर्शिता और नियमों की प्रक्रिया पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। पीड़ित मुरलीधर पटेल का कहना है कि जिस भूमि पर उनका मकान और रसोई घर बना था, वह आबादी भूमि है तथा वे पिछले लगभग 25 वर्षों से वहां निवासरत हैं। उनका दावा है कि पटवारी पंचनामा में भी इस बात का उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद प्रशासन ने उक्त जमीन को शासकीय भूमि बताकर बुलडोजर कार्रवाई कर दी। मामले को और गंभीर इस बात ने बना दिया कि पीड़ित पक्ष के अनुसार संबंधित प्रकरण में स्थगन आदेश प्रभावशील था और 28 तारीख को एसडीएम न्यायालय में पेशी निर्धारित थी। इसके बावजूद पेशी से पहले ही कार्रवाई कर दी गई। अब सवाल उठ रहा है कि जब मामला न्यायालयीन प्रक्रिया में था तो इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई? फिलहाल एक कर्मचारी ने स्थगन आदेश को ख़ारिज हुआ है बोला गया पर आदेश किसी को नहीं बताया गया,कार्रवाई के दौरान मौजूद अतिक्रमण हटाने वाली टीम में शामिल माल जमादार रजनी पटवा, पटवारी एवं अन्य अधिकारी मीडिया के कैमरे और सवालों से बचते दिखाई दिए। पत्रकारों द्वारा जब कार्रवाई का आदेश दिखाने, भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने तथा यह पूछने का प्रयास किया गया कि जमीन आबादी है या शासकीय, तब मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं, कार्रवाई किस आदेश के तहत की गई, इसे लेकर भी टीम खुलकर कुछ कहने से बचती रही। प्रशासनिक टीम की इस चुप्पी ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कार्रवाई पूरी तरह नियमों के तहत हुई थी, तो अधिकारियों को मीडिया और जनता के सामने तथ्य रखने में आखिर परेशानी क्या थी? एक तरफ सरकार वर्षों से आबादी भूमि पर निवासरत लोगों को पट्टा देने की योजना चला रही है, वहीं दूसरी ओर गरीब परिवारों के आशियाने पर बुलडोजर चलने से लोगों में भारी आक्रोश है। पीड़ित का कहना है कि गरीबों को राहत देने के बजाय उनके सिर से छत छीनने जैसी कार्रवाई न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

शिल्पकारों ने अपने उत्पाद का किया बेहतर प्रदर्शन

जनजातीय गरिमा उत्सव में हुआ जनजातीय कारीगर हैंडीक्राफ्ट मेला प्रदर्शनी का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जनजातीय गरिमा उत्सव कार्यक्रम अंतर्गत ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ट्राइफेड) के द्वारा जिला सारंगढ़- बिलाईगढ़ के जनजातीय कारीगरों के द्वारा हस्तनिर्मित (हैंडीक्राफ्ट) वस्तुओं के विक्रय एवं प्रदर्शनी हेतु मेला का आयोजन शुक्रवार को साहू धर्मशाला सारंगढ़ में किया गया। इसमें ग्राम बैगीनडीह के बड़ी संख्या में जनजातीय वर्ग के कारीगर शामिल हुए और अपने हस्तनिर्मित वस्तुओं के प्रदर्शन सह विक्रय किया गया।कार्यक्रम में दोपहर भोज का व्यवस्था किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी और जननेता बिरसा मुंडा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया गया। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पाण्डेय, सांसद प्रतिनिधि अरुण गुड्डू, सत्ताधारी दल के जिला अध्यक्ष ज्योति पटेल, अमित तिवारी, ट्राईफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक पी एम खदाने, सहायक आयुक्त बद्रीश सुखदेवे आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों ने प्रदर्शनी स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने 2 माला खरीदी और उसका भुगतान अपने मोबाइल के यूपीआई खाता से किया।

ग्राम बैगीनडीह के झारा शिल्प और बेलमेटल उत्पाद रहे आकर्षण का केंद्र- प्रदर्शनी सह विक्रय मेला में बैगीनडीह के बड़ी संख्या में शिल्पकार शामिल थे। उन्होंने अपने झारा शिल्प और बेलमेटल उत्पाद का प्रदर्शन किया, यह आकर्षण का केंद्र था। अधिकांश महिला शिल्पकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राष्ट्रीय आजीविका मिशन (बिहान) की कात्यायनी, भारत माता जैसे कई स्व सहायता समूह से अपने आजीविका को मजबूती प्रदान कर रहें हैं।

ट्राइफेड में जुड़ने से होगा शिल्पकारों का भला-सारंगढ़ बिलाईगढ़ के ग्राम बैगीनडीह जैसे कई शिल्प गांव के शिल्पकार ट्राइफेड से जुड़कर अपना भला कर सकते हैं। ट्राइफेड का पूरा नाम 'ट्राइबल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' है। यह भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष संस्था है। ट्राइफेड का प्रमुख कार्य जंगलों से लघु वनोपज इकट्ठा करने वाले, हस्तशिल्प बनाने वाले आदिवासी समुदायों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना है। आदिवासी उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बाजार खोजना है। ट्राइफेड आदिवासी उत्पादों (जैसे प्राकृतिक शहद, हस्तशिल्प, कपड़े, जैविक उत्पाद) की ब्रांडिंग और बिक्री करता है। ट्राइफेड ने 50-100 राज्य स्तरीय निर्माता कंपनियों के माध्यम से वनधन माइक्रो उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं। वनधन निर्माता कंपनियों का उद्देश्य उत्पादकता, लागत में कमी, कुशल एकत्रीकरण, मूल्य संवर्धन के लिए बड़े पैमाने पर प्रसंस्करण, उत्पाद के बेहतर उपयोग और उपज के कुशल विपणन को बढ़ाना है।

ट्राइफेड का हिस्सा बनने के लिए अवसर

ट्राइफेड विश्व के सभी कॉर्पोरेट, आदिवासी समाज, वैज्ञानिक, संस्थानों, प्रशिक्षक, संसाधन व्यक्ति, विषय विशेषज्ञ, सलाहकार, कार्यान्वयन एजेंसियां, उपकरण और उपकरण निर्माता, सेलर्स, खरीदार, डिजाइनर सभी के लिए अवसर प्रदान करता है।

खनिज विभाग ने की 1 हाईवा और चैन माउन्टेन मशीन जप्त

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़/ खनिज पदार्थो के अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही करने कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के द्वारा दिए निर्देश पर खनिज टीम द्वारा तहसील सारंगढ़ के ग्राम दहिदा में चैन माउन्टेन एवं सरिया क्षेत्र में 1 हाइवा जप्त किया गया है, जिसे सरिया थाना की सुपूर्दगी में रखा गया। यह कार्यवाही खनि अधिकारी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवं खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई है।

आम के पेड़ पर झूलती मिली ग्रामीण की लाश, गांव में फैली सनसनी

रायगढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पुसल्दा में एक ग्रामीण की आम के पेड़ पर झूलती हुई लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अनत राम राठिया पिता धनी राम राठिया उम्र 63 वर्ष निवासी ग्राम पुसल्दा के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 19 मई 2026 की रात करीब 11 बजे से 20 मई 2026 की सुबह 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। सुबह गांव के लोगों ने आम के पेड़ पर शव लटका देखा, जिसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शुरुआती जांच में दम घुटने से मौत होने की बात सामने आई है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

सड़क हादसे में ट्रांसपोर्टर सहित ड्राइवर की मौत दो अन्य की हालत गंभीर

रायगढ़। रायगढ़ जिला के घरघोड़ा थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने निकल कर आ रही है इसमें घरघोड़ा से तमनार जाने वाली सड़क मे झरियापाली और देवगढ़ के बीच में खतरनाक सड़क हादसा सामने आया है हादसे में एक ट्रांसपोर्टर और उसके ड्राइवर की मौके पर मौत हो गई है वहीं दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी अनुसार तमनार से घरघोड़ा की ओर आ रही कैंपर गाड़ी जिसमें ट्रांसपोर्टर सहित चार अन्य कैम्पर गाडी सवार थे जो घरघोड़ा की तरफ आ रहें थे लगभग 5:30 बजे के आसपास झरियापाली और देवगढ़ के बीच में लगे स्वागत द्वार पर जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रांसपोर्टर और अन्य एक मौके पर मौत हो गई। दो अन्य कैंपर में सवार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है जिन्हें 112 के इवेंट पर आर राम कृष् रात्रे एवं ड्राइवर जनार चौहान के द्वारा समय रहते उपचार के लिए हॉस्पिटल घरघोड़ा लाया गया जहां उनका उपचार जारी है। शव को घरघोड़ा मरचूरी मे रखा गया है घरघोड़ा पुलिस मर्ग कायम कर आगे की जाँच कार्यवाई मे जुट गई है

घटना मे मृतक का नाम सत्येंद्र पाण्डेय उम्र लगभग 45 बताया जा रहा है जो ट्रांसपोर्ट का काम करने थे वही अन्य मृतक रोहित कश्यप उम्र लगभग 35 वर्ष कोरबा निवासी की भी मौत हो गई है वही जीतेन्द्र सिंह पिता ननकु उम्र 56 वर्ष 2 विपिन सिंह उम्र लगभग 38 वर्ष गंभीर रूप से घायल बताये जा रहें है।.

बांग्लादेश ने तीस्ता और पद्मा बैराज प्रोजेक्ट का किया ऐलान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने अपनी जल समस्याओं को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने बुधवार को साफ कर दिया कि उनकी सरकार देश में बहुप्रतीक्षित पद्मा और तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। यह ऐलान ऐसे समय में हुआ है जब रहमान जल्द ही चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। अब इस पूरे प्रोजेक्ट में चीन की बड़ी आर्थिक भूमिका होने की संभावना बन गई है।

बुधवार दोपहर ढाका के पास गाजीपुर में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान की इमारत का शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रहमान ने यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बीएनपी सरकार पद्मा बैराज और तीस्ता बैराज दोनों का काम शुरू करेगी। बीएनपी ने तीस्ता मुद्दे को लेकर कई कार्यक्रम चलाए हैं। इसलिए, अगर किसी ने इस दिशा में वास्तव में काम किया है और जमीन तैयार की है, तो वह बीएनपी ही है।

सरकार पहले ही उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों (खासकर राजशाही में पद्मा नदी पर) में पद्मा बैराज बनाने की मंजूरी दे चुकी है, और अब प्रधानमंत्री ने तीस्ता बैराज को भी आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखा दी है।

चीन दौरे पर टिकी नजरें, अरबों डॉलर की डील संभव

तीस्ता बैराज को लेकर की गई यह घोषणा बेहद रणनीतिक मानी जा रही है। जून के अंत में प्रधानमंत्री रहमान चीन के दौरे पर जाने वाले हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि उनकी इस यात्रा के दौरान तीस्ता बैराज सहित कई

अन्य अहम प्रोजेक्ट्स की फंडिंग को लेकर चीन के साथ विस्तार से बातचीत होगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में अरबों डॉलर का निवेश शामिल होने का अनुमान है।

जल संकट और फरक्का बैराज पर क्या बोले रहमान?

देश के जल संकट का जिक्र करते हुए रहमान ने कहा कि सूखे के मौसम में बांग्लादेश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। उन्होंने सीमाओं के पार बन रहे बैराजों और पानी मोड़े जाने की तरफ इशारा किया।

रहमान ने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज की वजह से उनके दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है। इसका सीधा असर सुंदरबन समेत कई इलाकों पर पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, खारापन बढ़ने से कई पेड़-पौधे नष्ट हो रहे हैं और जानवर विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें यह बैराज बनाना ही होगा ताकि मॉनसून के अतिरिक्त पानी को जमा करके हम उसे सूखे के मौसम में अपने किसानों और आम लोगों को समय पर उपलब्ध करा सकें। बांग्लादेश और भारत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से असहमति रही है। 1996 में दोनों देशों के बीच गंगा नदी के जल बंटवारे पर एक ऐतिहासिक संधि हुई थी, जिसकी मियाद इसी साल दिसंबर में खत्म हो रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते को रिन्यू करने के लिए दोनों पक्षों के बीच फिलहाल बातचीत चल रही है। वहीं, तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दोनों देश इस समझौते पर सहमत तो हो गए थे, लेकिन पश्चिम बंगाल के विरोध के चलते इस पर अब तक हस्ताक्षर नहीं हो सके हैं। बताया गया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस समझौते का विरोध किया था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान द्वारा तीस्ता बैराज प्रोजेक्ट के निर्माण का ऐलान और इसके लिए चीन से फंडिंग मांगने की तैयारी ने नई दिल्ली में रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इसी महीने (मई 2026) बीजिंग में अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डॉलर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। भारत के लिए यह सिर्फ एक जल प्रबंधन परियोजना नहीं है, बल्कि यह उसके पड़ोस में राष्ट्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक प्रभाव से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है।

जो मैं कहूंगा, वही करेंगे नेतन्याहू

ट्रंप का बड़ा दावा-दो साल बाद इजरायल में लडूंगा प्रधानमंत्री चुनाव, 99 प्रतिशत मेरी रेटिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर एक ऐसा दावा किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय जगत में हलचल पैदा हो गई है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि इज़रायल में उनकी लोकप्रियता 99 प्रतिशत है और मजाकिया अंदाज में कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा होने के बाद (2028 में) वह वहां प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें एक ताज़ा सर्वेक्षण में बेहद ऊंची रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा, तो शायद यह काम पूरा करने के बाद, मैं इज़रायल जाऊंगा और प्रधानमंत्री पद का चुनाव लड़ूंगा। आज सुबह ही एक जनमत सर्वेक्षण आया है, जिसमें मेरी रेटिंग 99 प्रतिशत है। जब पत्रकारों ने उनसे ईरान पर संभावित हमले के बारे में पूछा, तो ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य के साथ किसी समझौते पर पहुंचने की उन्हें कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा, हमें होर्मुज समुद्री मार्ग को खोलना होगा, वह तुरंत खुल जाएगा, इसलिए हम इसे एक मौका देंगे। मुझे कोई जल्दी नहीं है। हर कोई कह रहा है, ओह, मध्यावधि चुनाव आ रहे हैं। आदर्श रूप से, मैं चाहूंगा कि कम से कम लोग मारे जाएं, न कि बहुत ज़्यादा। पत्रकार लगातार ट्रंप से पूछते रहे कि उन्होंने इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से इस हमले के बारे में क्या कहा है? इस पर रिपब्लिकन नेता ने जवाब दिया, वह बहुत अच्छे इंसान हैं; वह वही करेंगे जो मैं उनसे करवाना चाहूंगा। और वह एक बेहतरीन व्यक्ति हैं... यह मत भूलिए कि वह युद्धकालीन प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

उन्होंने यह दावा भी किया कि इज़रायल में नेतन्याहू के साथ सही बर्ताव नहीं किया जाता है। एक और बड़ा हमला हो सकता है, क्योंकि दोनों देश एक स्थायी शांति समझौते की शर्तों को लेकर एक गंभीर गतिरोध पर पहुंच गए हैं। इस बीच, खबरों के अनुसार ईरान, ट्रंप और नेतन्याहू पर 58 मिलियन डॉलर का इनाम रखने पर विचार-विमर्श कर रहा है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के अध्यक्ष इब्राहिम अज़ीज़ी ने घोषणा की है कि यह समिति इस्लामिक गणराज्य के सैन्य और सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्रवाई नामक एक विधेयक तैयार कर रही है। ईरान वायर और द टेलीग्राफ यूके की रिपोर्टों के अनुसार, इस विधेयक के माध्यम से किसी भी ऐसे व्यक्ति या संस्था को 50 मिलियन यूरो (लगभग 58.23 मिलियन डॉलर) की राशि का भुगतान औपचारिक रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

पाकिस्तान में मारे गए 14 आतंकी, भीषण गोलीबारी में मुमताज इम्ती की भी हुई मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों के बीच बुधवार को हुई झड़प में कम से कम 14 आतंकवादी मारे गए। इस खूनी झड़प में कई अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य कुर्रम जिले के मनातो कामरान इलाके में स्वयंभू आतंकी कमांडरों काजिम और मुमताज इम्ती नीत समूहों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में मुमताज इम्ती भी मारा गया है।

झड़प के बाद स्थानीय लोगों ने शवों को उसी इलाके में दफना दिया। मध्य कुर्रम में कई आतंकवादी गुटों की मौजूदगी की खबरों के बीच कई बार अभियान चलाए गए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मंगलवार को क्वेटा छावनी का दौरा किया था। जहां उन्होंने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की थी। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, फील्ड मार्शल मुनीर ने अपने दौरे के दौरान क्वेटा स्थित कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में छात्र अधिकारियों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित किया था। मुनीर ने बलूचिस्तान में तैनात टुकड़ियों के अधिकारियों और सैनिकों से बातचीत की और मौजूदा सुरक्षा माहौल के पहलुओं पर जोर दिया। मुनीर ने दोहराया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल सभी तहत के आतंकवाद के उन्मूलन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

मालूम हो कि पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा प्रांत काफी अशांत है। यह इलाका अफगानिस्तान से लगा हुआ है। सीमा पहाड़ी और कठिन होने के कारण आतंकवादी समूहों की आवाजाही लंबे समय तक आसान रही। अफगान युद्धों का असर भी सीधे यहां पड़ा है। अफगानिस्तान के तनाव के बीच यहां कई सारे स्वयभूं आतंकी संगठन भी बन गए हैं।

क्यूबा पर बढ़ते तनाव के बीच कैरेबियन सागर पहुंचा यूएसएस निमित्ज, अमेरिका ने बढ़ाई सैन्य मौजूदगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच बढ़ते तनाव ने अब सैन्य मोर्चे पर भी हलचल बढ़ा दी है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज अपने स्ट्राइक ग्रुप के साथ कैरेबियन सागर में पहुंच गया है। यह जानकारी 'द हिल' की एक रिपोर्ट में सामने आई है। यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा के प्रति अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और इस द्वीपीय राष्ट्र के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस तैनाती का उद्देश्य क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति को मजबूत करना है। अमेरिकी नौसेना के इस शक्तिशाली स्ट्राइक ग्रुप में एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान, ईए-18जी ग्रोवलर इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान और सी-2 ग्रेहाउंड सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हैं। इसके साथ यूएसएस ग्रिडली विध्वंसक युद्धपोत और स्हस-पटक्सेंट ईंधन आपूर्ति पोत भी मौजूद हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस निमित्ज ने ताइवान जलडमरूमध्य से लेकर अरब की खाड़ी तक, स्थिरता सुनिश्चित करते हुए और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए दुनिया भर में अपनी युद्ध क्षमता साबित की है। 1975 में कमीशन किए गए इस एयरक्राफ्ट कैरियर ने हाल ही में रियो डी जनेरियो के तट पर ब्राजील की नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास में भाग लिया था। यह जानकारी ब्राजील में अमेरिकी दूतावास द्वारा दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में क्यूबा के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर 1996 में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दो नागरिक विमानों को गिराने से संबंधित हत्या और अन्य अपराधों के औपचारिक आरोप लगाए थे, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने इसे क्यूबा-अमेरिकी समुदाय के लिए बड़ा क्षण बताया। ट्रंप ने कहा 'यह बहुत महत्वपूर्ण है।

न्यू मैक्सिको में रहस्यमयी पदार्थ के संपर्क में आने से तीन लोगों की मौत, कई राहतकर्मी प्रभावित

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। न्यू मैक्सिको के माउंटेनएयर इलाके में एक संदिग्ध ड्रग ओवरडोज मामले में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, राहत और बचाव कार्य में शामिल कई आपातकर्मी एक अज्ञात पदार्थ के संपर्क में आने के बाद बीमार पड़ गए। न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अनुसार, अल्बुकर्क के पूर्व में स्थित एक ग्रामीण घर में चार लोग बेहोशी की हालत में मिले थे। इनमें से तीन की मौत हो गई, जबकि चौथे व्यक्ति का इलाज अल्बुकर्क के एक अस्पताल में चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि राहत अभियान के दौरान 18 आपातकर्मी भी उस अज्ञात पदार्थ के संपर्क में आ गए। इसके बाद उनमें मतली और चक्कर आने जैसे लक्षण दिखाई दिए। सभी को यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी निगरानी की जा रही है।

स्टेट पुलिस के अधिकारी विल्सन सिल्वर ने बताया कि दो राहतकर्मियों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटनास्थल पर अल्बुकर्क फायर रेस्क्यू की टीम भी मौजूद है, जो उस पदार्थ की पहचान करने की कोशिश कर रही है। विल्सन सिल्वर ने कहा कि शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि यह पदार्थ संपर्क के जरिए फैल सकता है और फिलहाल इसे हवा के जरिए फैलने वाला नहीं माना जा रहा है। जांच जारी रहने के बीच माउंटेनएयर के मेयर पीटर निएतो ने सोशल मीडिया पर कहा कि शुरुआती संकेत नशीले पदार्थों की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आम लोगों के लिए फिलहाल कोई खतरा नहीं है और घर के आसपास सुरक्षा घेरा बना दिया गया है। हालांकि, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने

सोशल मीडिया पर समुदाय में बढ़ते नशे के इस्तेमाल को लेकर चिंता और नाराजगी जाहिर की। मेयर निएतो ने कहा कि स्थानीय पुलिस और राहतकर्मी रोजाना समुदाय की सुरक्षा और कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए काम करते हैं, लेकिन नशे और मादक पदार्थों की लत पूरे राज्य और देश की बड़ी समस्या बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इस समस्या का कोई आसान या त्वरित समाधान नहीं है और स्थायी बदलाव के लिए परिवार का सहयोग, जवाबदेही, शिक्षा और मदद स्वीकार करने की इच्छा जरूरी है। पुलिस ने बताया कि इनमें से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि चौथे व्यक्ति का इलाज अल्बुकर्क के अस्पताल में चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर पहुंचे कई राहतकर्मी भी किसी अज्ञात पदार्थ के संपर्क में आ गए, जिसके बाद उनमें मतली, चक्कर और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अज्ञात पदार्थ के संपर्क में आए कुल 23 लोगों की जांच की गई और उन्हें डी-कंटैमिनेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। इनमें अधिकतर फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स थे, जिन्हें एहतियात के तौर पर अस्पताल लाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश लोगों में गंभीर लक्षण नहीं पाए गए और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई। हालांकि, अस्पताल प्रशासन ने कहा कि बुधवार शाम तक 3 मरीजों की हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही थी। वहीं न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अधिकारी विल्सन सिल्वर ने बताया कि 2 राहतकर्मियों की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद अल्बुकर्क फायर रेस्क्यू की हाजमैट टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम उस अज्ञात पदार्थ की पहचान करने में जुटी है, जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई।

अधिकारी विल्सन सिल्वर ने बताया कि शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि यह पदार्थ संपर्क में आने से फैल सकता है और फिलहाल इसे हवा के जरिए फैलने वाला नहीं माना जा रहा है। घटनास्थल के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने घर तक जाने वाली कच्ची सड़क को बंद कर दिया है और इलाके को पीली चेतावनी टेप से घेर दिया गया है। माउंटेनएयर के मेयर पीटर नीतो ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि शुरुआती संकेत ड्रग्स को इस घटना की संभावित वजह बता रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि आम जनता के लिए फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

कोयलीबेड़ा में शार्ट सर्किट से जल उठा 300 बोरी तेंदूपत्ता से लदा ट्रक, सुरक्षा बलों की जांबाजी से सुरक्षित बचा पूरा बाजार क्षेत्र

जवानों की मुस्तैदी से बची सैकड़ों दुकानें

दैनिक मूक पत्रिका/विक्रम ठाकुर/ कांकेर:-कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर के कोयलीबेड़ा बाजार क्षेत्र में शुक्रवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब तेंदूपत्ता से भरा एक ट्रक अचानक धू-धू कर जल उठा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और 40वीं वाहिनी बीएसएफ के जवानों ने त्वरित और साहसिक कार्रवाई करते हुए न सिर्फ आग पर काबू पाया, बल्कि बाजार क्षेत्र में मौजूद सैकड़ों दुकानों, मकानों और सार्वजनिक संपत्तियों को एक भीषण तबाही की चपेट में आने से सुरक्षित बचा लिया। सुरक्षा बलों की इस सजगता और त्वरित तालमेल के कारण एक बहुत बड़ा अग्निकांड होने से टल गया।

यह पूरी घटना दिनांक 22 मई 2026 की सुबह लगभग 11:00 बजे की है, जब पनिडोबीर से कोयलीबेड़ा की ओर आ रहा तेंदूपत्ता से लदा ट्रक (क्रमांक ष्ट्र 21 छ्ठ 7755) कोयलीबेड़ा बाजार क्षेत्र के पास पहुंचा था। इसी दौरान वाहन के ऊपर से गुजर रहे बिजली के हाई वोल्टेज तारों से ट्रक का संपर्क हो गया, जिससे जोरदार शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते पूरे वाहन में भीषण आग लग गई। ट्रक में लगभग 300 बोरी सूखा तेंदूपत्ता लोड होने के कारण आग ने बेहद आक्रामक रूप अख्तियार कर लिया और लपटें तेजी से फैलने लगीं। खतरे को भांपते हुए चालक ने समय रहते सूझबूझ दिखाई और वाहन से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। बाजार क्षेत्र होने के कारण आग के आसपास की रिहायशी व व्यावसायिक संपत्तियों में फैलने की गंभीर आशंका खड़ी

हो गई थी। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए जलते हुए वाहन को तुरंत खुले मैदान की ओर ले जाने का प्रयास किया गया, ताकि आबादी वाले क्षेत्र को सुरक्षित रखा जा सके। घटना की जानकारी मिलते ही थाना कोयलीबेड़ा पुलिस और 40वीं वाहिनी बीएसएफ की टीम तुरंत हरकत में आई और संयुक्त रूप से राहत व बचाव कार्य मोर्चा संभाल लिया। बीएसएफ के इंद्रम (DC/Adjt, 40वीं वाहिनी) के कुशल निर्देशन में सूबेदार मेजर अरविंद कुमार सहित 1 एसओ और 15 जवानों की विशेष टीम अग्निशमन उपकरणों और पानी टैंकर के साथ तत्काल मौके पर पहुंची। जवानों ने बिना वक्त गंवाए फायर एक्सटिंग्विशर, यूनिट वाटर टैंकर और पास के जल स्रोत की मदद से लगातार पानी की बौछारें कर आग को दबाना शुरू किया। इसके साथ ही अंतागढ़ फायर स्टेशन से दमकल वाहन को भी मौके पर बुलवाया गया। स्थानीय पुलिस, बीएसएफ और फायर ब्रिगेड की टीम ने संयुक्त और समन्वित प्रयास करते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस पूरी घटना में सुरक्षा बलों की त्वरित और जांबाज कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है, जिनकी वजह से जन-धन की कोई बड़ी हानि नहीं हुई। इस हादसे के मद्देनजर कांकेर पुलिस ने आम जनता और वाहन चालकों से विशेष अपील की है कि वे विद्युत तारों के नीचे से भारी वाहनों को निकालते समय अत्यधिक सावधानी बरतें। साथ ही पुलिस प्रशासन ने आग्रह किया है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति या दुर्घटना की सूचना तुरंत आपातकालीन नंबर 112 पर दें ताकि समय रहते त्वरित सहायता पहुंचाई जा सके।

'बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट खत्म कर देना चाहिए'

आकिब नबी के न चुने जाने पर भड़का भारत का पूर्व चयनकर्ता

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने अगले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भारत की टीम चुनते समय जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को नजरअंदाज करने के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अगर चयन का मानक घरेलू क्रिकेट नहीं है तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्र्ष्टष्टढ्ढ) को घरेलू क्रिकेट खत्म कर देना चाहिए।

आकिब नबी ने 2025-26 रणजी ट्रॉफी सत्र में 10 मैचों में 12.56 के शानदार औसत से 60 विकेट लेकर सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे और जम्मू-कश्मीर को उनका पहला रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

वेंगसरकर भड़के

वेंगसरकर ने कहा, 'अगर घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन कोई मानक नहीं है, तो बीसीसीआई को घरेलू क्रिकेट खत्म कर देना चाहिए। आप किसी गेंदबाज को उसकी विकेट लेने की काबिलियत के आधार पर चुनते हैं। वह 130 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकता है, लेकिन जरूरी बात उसकी विकेट लेने की काबिलियत है। इस लड़के ने विकेट लेने में जबरदस्त निरंतरता दिखाई है। उसे तैयार करने का यह सही समय था। जब कोई खिलाड़ी फॉर्म में होता है तो आप उसे वहीं मौका देते हैं।

अभी नबी की हालत क्या होगी?

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में दिलीप वेंगसरकर ने आकिब नबी को लेकर कहा, 'चयनकर्ताओं का उन्हें नजरअंदाज करने का फैसला बिल्कुल अजीब और हैरान करने वाला है। यह किस तरह का चयन है? यह बिल्कुल मंजूर नहीं है। यह नाइंसाफी है। क्या आप सोच सकते हैं कि अभी नबी की हालत क्या होगी? उन्होंने रणजी ट्रॉफी में 60 विकेट लिए हैं। उन्होंने इसके लिए बहुत मेहनत की है और वह बाकी सबसे आगे रहने के हकदार हैं।'

क्रिस्टियानो रोनाल्डो रचेंगे इतिहास

तोड़ेंगे मेसी समेत 5 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड; पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी है और ये टूर्नामेंट 11 जून से तीन देशों यूएसए, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए पुर्तगाल ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है जिसें फेवरेट के तौर पर देखा जा रहा है। इस टीम के पास हर पोजिशन के लिए बेहतरीन खिलाड़ी हैं और एक बार फिर से स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस टीम के लिए खेलते हुए नजर आएंगे।

छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेंगे रोनाल्डो

यह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए भी एक बहुत बड़ा अवसर होगा क्योंकि उन्होंने अपने करियर में अब तक एक बार भी फुटबॉल वर्ल्ड कप नहीं जीता है। हालांकि इस वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले ही रोनाल्डो ने एक शानदार रिकॉर्ड अब अपने नाम कर लिया है। रोनाल्डो को पुर्तगाल की टीम में जगह दी गई है और इसके साथ ही वो सबसे ज्यादा बार फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने वाले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। रोनाल्डो अपने करियर में छठी बार वर्ल्ड कप खेलते हुए नजर आएंगे और उन्होंने एक साथ लियोनेल मेसी समेत 5 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे जिन्होंने अब तक 5-5 बार वर्ल्ड कप खेला है।

मेसी समेत 5 खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ेंगे रोनाल्डो

मेसी के अलावा फुटबॉल वर्ल्ड कप के इतिहास में एंटोनियो कार्बाजल, आंद्रेस गुआर्डाडो, लोथर मैथ्यूस, राफेल मार्केज ने 5-5 बार वर्ल्ड कप खेले हैं, लेकिन रोनाल्डो इन सबको एक साथ पीछे छोड़ देंगे और छठी बार वर्ल्ड कप खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वर्ल्ड कप के लिए पुर्तगाल टीम का ऐलान करते हुए इस टीम के मैनेजर ने कहा कि अंतिम सूची में 27 नाम और एक 'प्लस वन' शामिल हैं। डियोगो जोटा को खोना एक अविस्मरणीय और बेहद कठिन पल था, लेकिन अगले ही दिन, हम सभी के लिए यह एक जिम्मेदारी बन गई कि हम डियोगो जोटा के सपनों के लिए और हमारी राष्ट्रीय टीम में उनके द्वारा स्थापित आदर्शों के लिए संघर्ष करें। आपको बता दें कि 2025/26 सीजन शुरू होने से ठीक पहले डियोगो जोटा का एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल टीम :

गोलकीपर : डिओगो कोस्टा (पोर्टो), जोस सा (वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स), रुई सिल्वा (स्पोर्टिंग लिस्बन), रिकार्डो वेल्हो (जेनक्लरबिर्लिसी)।

डिफेंडर्स : रूबेन डायस (मैनचेस्टर सिटी), जोआओ कैंसलो (बार्सिलोना), डिओगो दलोट (मैनचेस्टर यूनाइटेड), नूनो मेंडेस (पेरिस सेंट-जर्मेन), नेल्सन सेमेडो (फेनरबाश), मैथियस नून्स (मैनचेस्टर सिटी), गोंसालो इनासियो (स्पोर्टिंग लिस्बन), रेनैटो वेइगा (विलारियल), टॉमस अराउजो (बेनफिका)।

शुभमन गिल ने पूरे किए 6000 टी 20 रन

सुदर्शन के साथ मिलकर बना डाले 3 बड़े रिकॉर्ड; कोहली-डुप्लेसिस छूटे पीछे

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 66वें मैच में गुजरात टाइटंस के ओपनर व कप्तान शुभमन गिल ने शानदार पारी खेली और 37 गेंदों पर 64 रन बनाए। गिल ने इस पारी के दौरान अपने 6000 टी20 रन भी पूरे किए साथ ही साई सुदर्शन के साथ इस मैच में शतकीय साझेदार भी की। गिल ने साई के साथ मिलकर इस मैच में कई बेहतरीन रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए। शुभमन गिल ने इस पारी के दम पर इस सीजन में अपने 600 रन भी पूरे किए।

टी20 में सबसे तेज 6000 रन पूरे करने वाले बैटर्स

- 162 - क्रिस गेल
- 165 - बाबर आजम
- 166 - केएल राहुल
- 180 - शॉन मार्श
- 180 - डेवोन कॉनवे
- 184 - विराट कोहली
- 185 - शुभमन गिल

गिल ने पूरे किए 6000 रन

गिल ने सीएसके के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 6000 टी20 रन पूरे किए और वो इस प्रारूप में सबसे तेज गति से 6000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 7वें नंबर पर आ गए। गिल ने ये कमाल 185 पारियों में किया। इस लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं जिन्होंने टी20 में सिर्फ 162 पारियों में 6000 रन पूरे किए थे।

गिल-साई ने तोड़ा कोहली-डुप्लेसिस का रिकॉर्ड

गिल और साई के बीच अब तक आईपीएल में कुल 1898 रन की साझेदारी हो चुकी है और वो इस लीग में सबसे ज्यादा बड़ी ओपनिंग साझेदारी करने वाले बैटिंग पेयर की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इन दोनों ने कोहली और डुप्लेसिस को पीछे छोड़ दिया जिनके बीच बतौर ओपनर कुल 1890 रन की साझेदारी हुई थी।

सुदर्शन ने तोड़ा संजू, बटलरश्रेयस का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। गुजरात के ओपनर साई सुदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 66वें मैच में अहमदाबाद में शानदार पारी खेली और अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का भी कमाल किया। साई ने इस मैच में 53 गेंदों पर 84 रन बनाए और इस दौरान 4 छक्के और 7 चौके भी लगाए। ये उनका इस सीजन में लगातार 5वां अर्धशतक रहा और उन्होंने वीरेंद्र सहवाग समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी की साथ ही साथ संजू सैमसन, जोस बटलर और श्रेयस अय्यर का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया।

साई ने की सहवाग, बटलर, वॉर्नर की बराबरी- साई सुदर्शन ने सीएसके के खिलाफ 84 रन की पारी खेली और इस सीजन में ये उनका लगातार 5वां 50 प्लस स्कोर रहा। साई अब इस लीग में लगातार 5 बार 50 प्लस की पारी खेलने वाले चौथे बैटर बने और वीरेंद्र सहवाग, जोस बटलर और डेविड वॉर्नर की लिस्ट में शामिल हो गए। इन तीनों बैटर्स ने भी आईपीएल के एक सीजन में लगातार 5 बार 50 प्लस की पारी खेलने का कमाल किया था।

मलेशिया मास्टर्स 2026

मालविका बंसोड़ टूर्नामेंट से बाहर, चालिहा से उम्मीदें जिंदा

कुआलालंपुर(एजेंसी)। मलेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार शटलर मालविका बंसोड़ का सफर दूसरे दौर में खत्म हो गया। कुआलालंपुर में खेले गए मुकाबले में उन्हें डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन कजर्सफेल्ट के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय खिलाड़ी अस्मिता चालिहा ने शानदार जीत दर्ज कर भारत की उम्मीदों को कायम रखा।

पहला गेम जीतने के बाद मैच गंवा बैठीं मालविका - विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर मौजूद मालविका बंसोड़ ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पहले गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए 21-16 से जीत हासिल की और मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। पहले गेम के दौरान मालविका ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और इंटरवल तक 11-6 से आगे थीं। इसके बाद उन्होंने लगातार दबाव बनाए रखते हुए गेम अपने नाम किया।

दूसरे गेम में बदला मैच का रुख - पहला गेम हारने के बाद डेनमार्क की लाइन कजर्सफेल्ट ने जोरदार वापसी की। दूसरे गेम में उन्होंने शुरुआती आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। मालविका इस दबाव से उबर नहीं सकीं और दूसरा गेम 21-8 से गंवा बैठीं।निर्णायक गेम में एक समय मालविका 11-8 से आगे थीं, लेकिन इसके बाद कजर्सफेल्ट ने लगातार अंक जुटाते हुए मुकाबला 21-15 से अपने नाम कर लिया।

अश्मिता चालिहा ने बढ़ाया भारत का मान - दूसरी ओर अश्मिता चालिहा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया की स्टार खिलाड़ी गोह जिन वेई को सीधे गेमों में हराया। अश्मिता ने मुकाबला 21-13, 21-16 से जीतकर महिला एकल वर्ग में भारत की चुनौती जिंदा रखी। गोह जिन वेई दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन और 2018 यूथ ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट रह चुकी हैं, ऐसे में अश्मिता की यह जीत बेहद खास मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान पूरे देश का सम्मान है: हरभजन सिंह

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑफ स्पिनर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह 'बिलियनेयर्स फॉर पीस कॉन्क्लेव' कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए मुंबई में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन में समाज में शांति की स्थापना करने वालों को सम्मानित करने के लिए किया गया था। इसमें हरभजन सिंह का भी नाम था। हरभजन ने कार्यक्रम के आयोजकों की प्रशंसा की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री को इटली में मिले एग्रीकोला पदक को उन्होंने देश का सम्मान बताया। मीडिया से बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा, 'समाज की बेहतरी के लिए काम करने वालों को सम्मानित करना बेहतरीन काम है। समाज में शांति के लिए काम करने वाले और भी लोग चाहिए। यहां आकर और सम्मानित होकर अच्छा लग रहा है। मैं इन लोगों के साथ रहूंगा और अपने स्तर से जो भी बेहतर हो सकेगा, करूंगा।' दुनिया में बढ़ महंगाई पर हरभजन ने कहा, 'मौजूदा समय में विश्व तेल और सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से परेशान है। इस परेशानी की वजह दुनिया में शांति का न होना है। अगर ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध नहीं होता, तो ये समस्याएं नहीं होतीं। उम्मीद करते हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा और महंगाई की समस्या से दुनिया को निजात मिलेगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली दौरे के दौरान 'एग्रीकोला पदक' से सम्मानित किया गया है।

युवराज सिंह के नाम है IPL के एक सीजन में दो हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड

132 मैचों ने नहीं लगा पाए थे एक भी शतक

नई दिल्ली। युवराज सिंह एक शानदार बल्लेबाज थे जो गेंदबाजी भी कर लेते थे। युवी को आमतौर पर एक बेहतरीन बल्लेबाज के रूप में जाना जाता है, लेकिन वो कई बार बेहतरीन गेंदबाजी भी कर लेते थे जो मैच को पटलने का काम करता था। युवराज सिंह का इंटरनेशनल स्तर पर प्रदर्शन तो शानदार रहा था, लेकिन आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन प्रभावित करने वाला था। युवराज ने इस लीग में वो कमाल किया था जो अन्य कोई खिलाड़ी अब तक तो नहीं कर पाया है, लेकिन ये कमाल उन्होंने बतौर बल्लेबाज नहीं बल्कि बतौर गेंदबाज किया था।

एक सीजन में दो हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज थे युवराज सिंह

युवराज सिंह को आज भी आईपीएल में एक ऐसे रिकॉर्ड के लिए याद किया जाता है जो इस लीग में खेलने वाले की दिग्गज बॉलर्स तक नहीं कर पाए।

युवी इस लीग के एक सीजन में दो बार हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज हैं और उनका ये रिकॉर्ड अब तक कोई नहीं तोड़ पाया है। युवराज सिंह ने आईपीएल में ये कमाल साल 2009 में किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के लिए खेलते हुए किया था।

युवराज सिंह ने किया था 6 टीमों का प्रतिनिधित्व

युवराज सिंह ने अपने 12 साल के आईपीएल करियर में 6 टीमों का प्रतिनिधित्व किया था और वो एक टीम के साथ कभी लंबे वक्त तक खेलते हुए नहीं दिखे थे। साल 2008 में सबसे पहले वो किंग्स इलेवन पंजाब के साथ जुड़े थे और शुरुआत में इस टीम के लिए उन्होंने कप्तानी भी की थी, लेकिन फिर वो इस टीम से निकल गए। इसके बाद उन्होंने पुणे वॉरियर्स इंडिया, आरसीबी, दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), सनराइजर्स हैदराबाद और आखिर में उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए खेला।

आईपीएल में कभी शतक नहीं लगा पाए युवराज

युवराज सिंह का आईपीएल करियर काफी लंबा रहा और इस दौरान उन्होंने कुल 132 मैच खेले। इन मैचों में उनके बल्ले से एक भी शतक नहीं निकला हालांकि उन्होंने 13 अर्धशतक जरूर लगाए और उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 83 रन का रहा। युवराज सिंह का स्ट्राइक रेट आईपीएल में 129.71 का रहा जबकि उनका औसत इस दौरान 24.77 का रहा। युवी ने 132 मैचों में इस लीग में 217 चौके और 149 छक्के भी लगाए जबकि इन मैचों में उन्होंने 36 विकेट भी लिए और उनकी बेस्ट गेंदबाजी 29 रन देकर 4 विकेट रहा था।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह विशेष लोक अदालत का आयोजन 21, 22 एवं 23 अगस्त को

सुलह और आपसी सहमति से मामलों के त्वरित निराकरण हेतु चलाया जा रहा विधिक जागरूकता अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किए जा रहे ÷समाधान समारोह÷ (विशेष लोक अदालत) के सफल आयोजन एवं व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान माननीय श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन तथा श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर से प्राप्त दिशा-निर्देश एवं एस.ओ.पी. के अनुरूप अधिकार मित्रों द्वारा आमजनों को विशेष लोक अदालत संबंधी जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम कंतेली में अधिकार मित्र श्री तरुण आनंद एवं सुश्री स्वाति कुंजाम द्वारा विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों एवं आमजनों को जानकारी देते हुए बताया गया कि न्याय को सरल, सुलभ एवं जनसामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ÷समाधान समारोह 2026÷ की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 से की जा चुकी है।

सर्वोच्च न्यायालय परिसर में होगा विशेष लोक अदालत का आयोजन–जानकारी दी गई कि सर्वोच्च न्यायालय परिसर, नई दिल्ली में 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति के आधार पर निराकरण किया जाएगा। विशेष लोक अदालत से पूर्व पक्षकारों के मध्य सुलह-समझौता बैठकों का आयोजन राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समितियों के मध्यस्थता केंद्रों में किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक मामलों का सौहार्दपूर्ण समाधान हो सके।

वर्चुअल माध्यम से भी जुड़ सकेंगे पक्षकार–शिविर में यह भी बताया गया कि पक्षकार इन सुलह बैठकों एवं वार्ताओं में स्वयं उपस्थित होकर अथवा वर्चुअल माध्यम से भी शामिल हो सकते हैं। जिन व्यक्तियों के मामले माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं, वे अपने प्रकरणों को ÷समाधान समारोह÷ (विशेष लोक अदालत) में शामिल कर आपसी सहमति से निराकरण का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह की जानकारी दी गई–विधिक जागरूकता शिविर के दौरान उपस्थित नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक अधिकारों, न्याय तक सरल पहुंच तथा वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली संबंधी जानकारी भी प्रदान की गई। आमजनों से अपील की गई कि वे न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल एवं त्वरित बनाने के लिए इस विशेष पहल का लाभ उठाएं। किसी भी प्रकार की सहायता अथवा जानकारी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा, तालुका विधिक सेवा समिति साजा अथवा कार्यालय के दूरभाष क्रमांक 07824-299152 पर संपर्क किया जा सकता है।

रायगढ़ बना झोलाछाप डॉक्टरों का गढ़

बिना डिग्रीज बिना लाइसेंसज फिर भी खुलेआम इलाज!

गांव-गांव खुल गए फर्जी क्लिनिक, सुई-बॉटल के नाम पर ग्रामीणों की जिंदगी से खिलवाड़

रायगढ़ /मूक पत्रिका

रायगढ़ क्षेत्र में इन दिनों झोलाछाप फर्जी डॉक्टरों की भरमार देखने को मिल रही है। गांव-गांव में निजी क्लिनिक खोलकर भोले-भाले ग्रामीणों से मोटी रकम वसूली जा रही है। हालत यह है कि कई जगह बाकायदा बेड लगाकर मिनी अस्पताल जैसा सेटअप तैयार कर लिया गया है और मरीजों को खुलेआम सुई, इंजेक्शन और बॉटल चढ़ाई जा रही है।

इलाज÷ के नाम पर जान से खिलवाड़!–स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई तथाकथित डॉक्टरों के पास न कोई मेडिकल डिग्री है और न ही स्वास्थ्य विभाग से अनुमति, इसके बावजूद धड़ल्ले से मरीजों का इलाज किया जा रहा है। बुखार, पेट दर्द से लेकर गंभीर बीमारियों तक का इलाज करने का दावा किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब और अनपढ़ लोगों को झांसे में लेकर उनसे हजारों रुपये वसूले जा रहे हैं। गलत दवा और गलत इंजेक्शन से मरीजों की हालत बिगड़ने की आशंका भी लगातार बनी हुई है।

क्लिनिक के अंदर बेड, बाहर मरीजों की लाइन!–सूत्रों के अनुसार कई फर्जी क्लिनिकों में बेड लगाकर मरीजों को घंटों बॉटल चढ़ाई जा रही है। कुछ जगहों पर तो रातभर मरीजों को भर्ती रखने की भी चर्चा है। बिना किसी प्रशिक्षित स्टाफ के यह पूरा खेल खुलेआम चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल–इतना बड़ा खेल चलने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई नजर नहीं आने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इन झोलाछाप डॉक्टरों को संरक्षण कौन दे रहा है?

÷जल्द होंगे बड़े खुलासे!÷–क्षेत्र में चर्चा तेज है कि आने वाले दिनों में कई झोलाछाप डॉक्टरों के नाम और उनके फर्जी क्लिनिकों का खुलासा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। ÷फर्जी डॉक्टरों पर कब चलेगा कार्यवाही का चाबुक ?÷ गाँव की जनता पूछ रही – इलाज मिलेगा या मौत का खतरा?

नेशनल हाईवे किनारे छातामुड़ा बाईपास स्थित कबाड़ गोदाम में भीषण आग, 10 किलोमीटर दूर तक दिखा धुएं का गुबार

हीरो शोरूम के पास मची अफरा-तफरी, फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं

रायगढ़ /मूक पत्रिका

नेशनल हाईवे स्थित छातामुड़ा बाईपास में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब हीरो शोरूम के बगल में स्थित एक कबाड़ गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसका धुएं का गुबार करीब 10 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। देखते ही देखते पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई।पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर नेशनल हाईवे के एक हिस्से को अस्थायी रूप से बंद कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई।आग की लपटें पास स्थित हीरो शोरूम तक पहुंचने की आशंका को देखते हुए कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए शोरूम में खड़ी सैकड़ों बाइकों को बाहर निकालकर सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया। समय रहते बाइकों को हटाए जाने से बड़ा नुकसान टल गया।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं कबाड़ गोदाम में हुए नुकसान का आकलन भी अभी नहीं हो सका है। प्रशासन और दमकल विभाग की टीम मौके पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

'ऑपरेशन हंट' आपसी रंजिश और पैसा लेनदेन का मामला आया सामने, तीनों आरोपी गांव के ही निकले

करही में हुए बहुचर्चित गोलीकांड का बड़ा खुलासा

सक्ती/मूक पत्रिका

बिर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम करही में हुए बहूचर्चित गोलीकांड का जांजगीर-चांपा पुलिस ने एक महीने बाद खुलासा कर दिया है। 'ऑपरेशन हंट' के तहत पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल किए पिस्टल, मैगजीन और बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार 23-24 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात नकाबपोश बदमाशों ने करही निवासी आयुष कश्यप के घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमले में आयुष का छोटा भाई भी गंभीर रूप से घायल हुआ था। घटना के बाद द्रुत बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग खुद मौके पर पहुंचे। जांजगीर एसपी विजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में रेंज स्तरीय टीम बनाकर 'ऑपरेशन हंट' शुरू किया गया। ऑपरेशन जांच के लिए टीमों ने गुजरात, तमिलनाडु, एमपी, यूपी, ओडिशा, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर तक दबिश दी। 200 से ज्यादा छ्ष्टह्लङ्क फुटेज खंगाले गए और तकनीकी-साइबर साक्ष्य जुटाए गए।

पूछताछ में आरोपी भूषण बघेल ने बताया कि उधारी के पैसों को लेकर विवाद, आयुष की बढ़ती आर्थिक स्थिति और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा से उपजी जलन के चलते हत्या की साजिश रची गई। वारदात की रात तीनों आरोपी पहले से घर के पास मौजूद थे। सहयोगियों ने छ्ष्टह्लङ्क तोड़ने के बाद आरोपी घर में घुसे, पिता के कमरे को बाहर से बंद कर आयुष पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। बीच-बचाव करने आए भाई को भी गोली मारी गई। गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत कुमार बघेल 23 वर्ष वार्ड 11 करही, भूषण बघेल 23 वर्ष वार्ड 1 करही और अमित टंडन 28 वर्ष वार्ड 9 करही शामिल हैं। सभी निवासी थाना बिर्रा, जिला सक्ती हैं। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्टल, दो मैगजीन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल जब्त की है। मुख्य साजिशकर्ता और अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है। आईजी रामगोपाल गर्ग ने पूरी टीम को शाबाशी देकर पुरस्कार की घोषणा की है। कार्रवाई में स्क्क उमेश कुमार कश्यप, उदयन बेहार, साइबर थाना जांजगीर, थाना बिर्रा, बम्हनीडीह, मुलमुला रेंज साइबर सेल और जिला पुलिस बल की भूमिका रही।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई चूना पत्थर एवं रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन जब्त

रायगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर के निर्देश एवं खनिज अधिकारी के नेतृत्व में जिले में अवैध उत्खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज खनिज विभाग की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में औचक दबिश देकर अवैध गतिविधियों में संलिप्त वाहनों एवं मशीनों को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान कारीछापर के विजय पटेल की एक रेत वाहन को अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वहीं रानीगुड़ा रेत खदान क्षेत्र में अवैध उत्खनन में लगी देवरी पंचायत निवासी रोशन साहू की एक चौन माउंटेन मशीन को जब्त किया गया। इसी प्रकार खरसिया मार्ग पर रायगढ़ स्थित जगदंबा शोरूम के पास टाइगर अग्रवाल निवासी चंद्रपुर का वाहन चूना पत्थर का अवैध परिवहन करते पाया गया, जिस पर खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। खनिज विभाग द्वारा बताया गया कि जब्त किए गए सभी वाहन बिना वैध रॉयल्टी पर्ची के रेत एवं चूना पत्थर का परिवहन कर रहे थे। इन सभी मामलों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगामी वैधानिक एवं चालानी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा खनिज माफिआओं के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मेकाहारा में उपचार कराने आने वाले मरीज के परिजन झेल रहे हैं अव्यवस्था का दंश, खाना पकाने हो रहे परेशान भीषण गर्मी में परिसर के बाहर जला रहे चूल्हा

रायगढ़ /मूक पत्रिका

मेडिकल कालेज अस्पताल में उपचार कराने आने वाले मरीज के परिजन भोजन पकाने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं। क्योंकि इतने बड़े अस्पताल में इनके लिए एक शेड की भी व्यवस्था नहीं है, ताकि वह भोजन पका सके। ऐसे में अब ग्रामीण क्षेत्र के गरीब तबके के लोग अस्पताल परिसर के बाहर खुले स्थान में भीषण गर्मी में भोजन पकाने को मजबूर है।

उल्लेखनीय है कि करोड़ों रुपए खर्च कर मेडिकल कालेज अस्पताल शुरू होने के बाद रायगढ़ जिला के अलावा अन्य जिलों से यहां हर दिन बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, जिससे उनके साथ परिजन भी आते हैं, लेकिन इन परिजनों के लिए न तो यहां रुकने के लिए अलग से कोई स्थान बना है और न ही इनको भोजन पकाने की व्यवस्था है। इसके चलते परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अस्पताल के बाहर कई छोटे-छोटे होटल भी शुरू हो गए हैं, लेकिन जिन मरीजों के पास पैसे हैं वे तो होटल में भोजन कर ले रहे हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के मरीज के परिजन जब अस्पताल आते हैं तो भोजन पकाने की पूरी व्यवस्था लेकर पहुंचते हैं, ताकि पका कर अराम से भोजन कर सके, लेकिन इस अस्पताल परिसर में इनके लिए एक शेड की भी व्यवस्था नहीं है, हालांकि अस्पताल परिसर के अंदर जगह तो बहुत है, जिससे कई बार मरीज के परिजन अस्पताल परिसर में भोजन पकाने का प्रयास भी करते हैं तो इनको यहां से भगा दिया जाता है, जिससे अब परिसर के बाहर घांस-फुस के बीच भोजन पकाने को मजबूर है। परिजनों की मानें तो परिसर के बाहर भोजन पकाने पर कई बार नजर इधर-उधर होते ही पशुओं द्वारा नुकसान कर दिया जाता है, जिससे उनको दोबारा पकाना पड़ता है। हालांकि इन दिनों जहां पूरा जिला भीषण गर्मी व लू के चपेट में आ गया है तो वहीं परिजन इन सबके बीच भोजन पकाते नजर आ रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी अस्पताल प्रबंधन की तरफ से इनके लिए कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है, जिससे हर दिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रुकने की नहीं है व्यवस्था–मेडिकल कालेज अस्पताल में मरीज के परिजनों को रुकने के लिए कोई अलग से व्यवस्था नहीं है। ऐसे में वार्ड के बाहर जैसे-तैसे समय काटते नजर आते हैं। वहीं परिजनों की मानें तो अस्पताल के बरामदे में एक साथ 50-100 लोग रुकते हैं, हालांकि सबसे ज्यादा दिक्कत गायनिक विभाग व आर्थो मरीज के परिजनों को होता है, क्योंकि यहां आने वाले मरीजों को कई दिनों तक रुकना पड़ता है, इससे काफी समस्या होती है। ऐसे में अगर इनके लिए एक आश्रय की व्यवस्था होता तो अस्पताल में भीड़ तो कम होती ही साथ ही काफी राहत भी मिलती। साथ ही परिजनों का कहना है कि रात का भोजन पकाने के लिए मौसम ठंडा होने का इंतजार करते हैं, इससे कई बार भोजन पकाने में काफी रात हो जाता है, लेकिन यहां लाईट नहीं होने से मोबाइल के रौशनी से काम चलाना पड़ता है। हालांकि यह स्थिति हर दिन सुबह-शाम दर्जनभर से अधिक लोग अलग-अलग चूल्हा जलाकर खाना पकाने नजर आते हैं। ऐसे में अगर अस्पताल परिसर के अंदर में एक जगह मिल जाता तो काफी राहत मिलती। वहीं एक अन्य महिला ने बताई कि हम लोग गांव के रहने वाले हैं, इससे उनके पास इतने पैसे नहीं होते कि होटल से खरीद कर खा सके। इससे जब अस्पताल आते हैं तो पूरी राशन सामान लेकर पहुंचते हैं, ताकि भोजन पकाकर खा सके।

विभागीय अधिकारीयों क्षेत्र के सभी नहर मायनरों का लिया जायजा।

जल संसाधन विभाग के अधिकारी आए हरकत में, नहर वाल निर्माण कार्य को सेंध लगाने वाले का कम बंद।

ठेकेदार लाखों के निर्माण कार्य में कर रहा सेंध मारी
देवरघटा नहर वाल निर्माण चढ़ रहा भ्रष्टाचार का भेंट
जैजैपुर/मूक पत्रिका

सक्ती/ हसौद/मूक पत्रिका

दरअसल पूरा मामला जिले के हसौद उप तहसील क्षेत्र के जैजैपुर विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवरघटा का है जहां गांव के ही स्थानीय व्यक्ति द्वारा नहर रिटर्निक वाल निर्माण कार्य में मनमाने तरीके से जमकर धाँधली कर अपनी जेब भरने के फिराक में था। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के आँखों में धूल झोंक कर विभागीय मापदण्डों को ठेका दिखा कर वाल निर्माण में झोल कर रहा था। जिस मामले को प्रमुखता से लेकर घोटालेबाज़ का पर्दाफ़श करते हुए खबर प्रकाशित कर शासन प्रशासन व विभागीय अफ़सरों को समचार के माध्यम से अवगत कराया गया था। तो वही मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर के दिशा निर्देश पर विभागीय अधिकारियों ने जांच निरीक्षण के दौरान वाल निर्माण कार्य में स्थानीय व्यक्ति के द्वारा लापरवाही पूर्वक कार्य करना पाया। जिससे संबंधित ठेकेदार को निर्माण में लापरवाही बरतने पर फटकार लगाते हुए विभागीय मापदण्डों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का सक्त हिदायत देते हुए। स्थानीय पेटी ठेकेदार का काम बंद करा कर निर्माण कार्य पर सुधार कराया गया। इसी दौरान कलेक्टर निर्देश पर विभागीय अधिकारियों ने जैजैपुर क्षेत्र चल रहे सभी नहर मरम्मत कार्य एवं वाल निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए समय अवधि में कार्य पूर्ण करने एवं कार्य में लापरवाही बर्दास्त नहीं किए जाने का हिदायत दिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।